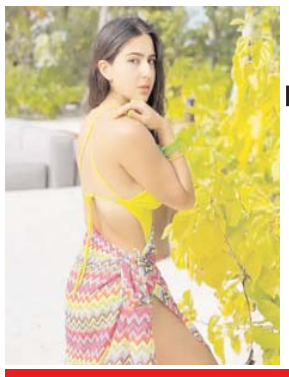

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 219 | ग्वालियर मंगलवार, 30 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

जंतर मंतर पर पहलवानों के धरना प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस का बड़ा कदम

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली का जंतर मंतर अब पहलवानों का अखाड़ा नहीं बनेगा, इसे लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार को बड़ा कदम उठाया है. भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार को जंतर मंतर से संसद तक निकाल रहे पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने पहले हिरासत में लिया. इसके बाद उन्होंने जंतर मंतर पूरी तरह से खाली करा दिया है. 28 मई को पहलवानों का धरना व मार्च पर दिल्ली पुलिस ने बड़ा बयान दिया है. दिल्ली पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने रविवार को उनसे किए गए सभी अनुरोधों के बावजूद कानून का उल्लंघन किया, इसीलिए उनके धरने को खत्म करने का फैसला लिया गया है. अगर भविष्य में पहलवान फिर से धरने के लिए आवेदन देते हैं, तो उन्हें जंतर-मंतर के अलावा किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर अनुमति दी जाएगी. दिल्ली पुलिस के पीआरओ सुमन नलवा ने कहा कि कल के प्रदर्शन को लेकर पहलवानों से बातचीत की गई थी, लेकिन इन्होंने कुछ भी सुनने से मना कर दिया. उसके बाद इन्हें हिरासत में लेना पड़ा. हमने शांतिपूर्ण तरीके से इन्हें हिरासत में लिया है... अगर ये कहीं और प्रदर्शन करने की इजाजत मांगेंगे तो इजाजत दी जा सकती है, लेकिन जंतर-मंतर पर इन्हें बैठने नहीं दिया जाएगा. वहीं, कल के धरने और उनके खिलाफ दर्ज हुई स्वद्धक्रपर पहलवान साक्षी मलिक का कहना है कि रविवार को जो स्थिति बनी वह खराब थी, हम शांतिपूर्ण तरीके से मार्च कर रहे थे. जंतर-मंतर से 10 कदम की दूरी पर बैरिकेडिंग की गई थी. हमें जबरदस्ती बस में उठाकर डाला गया. हमें घसीटा गया, हमें चोटें भी आई

अंतरिक्ष में भारत की बड़ी सफलता, नेक्स्ट जेनरेशन नेविगेशन सैटेलाइट किया लॉन्च

नई दिल्ली। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारत लगातार नए कीर्तिमान रच रहा है. इन कीर्तिमानों में एक और नया आयाम जुड़ गया है. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी29 मई को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से एक और सफल उड़ान भरी है. ये उड़ान नए भारत और नए जमाने के मुताबिक फायदेमंद है. भारत ने नेविगेशन सैटेलाइट को 10 बजकर 42 मिनट पर लॉन्च किया है. इस सैटेलाइट को नाम दिया गया है. खास बात यह है कि इस सैटेलाइट के माध्यम से लॉन्च पैड-2 पर छोड़ा गया है. ये सैटेलाइट नए भारत को परिलक्षित करता है और इसे सफल उड़ान से उन सभी भारतीयों को फायदा होगा जो मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं. भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की इस उड़ान को काफी हद तक इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य सशस्त्र बलों को और मजबूत करना है. इसके साथ ही नौवहन सेवाओं की निगरानी रखने में भी ये सैटेलाइट काफी मददगार साबित होगा. ऐसे में इसरो की इस उड़ान पर दुनियाभर की नजरें टिकी हुई थीं. इस सफल उड़ान ने ना सिर्फ भारतीयों बल्कि विश्व में अपनी विशेष जगह बनाई है. इस सैटेलाइट यानी उपग्रह की लॉन्चिंग के साथ ही हर उस भारतीय को फायदा होगा जो मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है. खास तौर नई पीढ़ी के लिए तो ये सबसे ज्यादा फायदेमंद होगा. क्योंकि इस सैटेलाइट के साथ ही इंटरनेट की स्पीड पहले और ज्यादा बेहतर होगी और इसके साथ ही आपकी मोबाइल की लोकेशन सर्विस को ज्यादा सटीक तरीके से ट्रेस करने में मदद मिलेगी.

मध्य प्रदेश के एक खेत में अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

भिंड। मध्य प्रदेश से इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आ रही है. एमपी के भिंड जिले में सोमवार सुबह भारतीय वायुसेना के अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. बताया जा रहा है कि द्धन्न के अपाचे हेलीकॉप्टर में अचानक से तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसकी वजह से उसे खेत में ही उतारा गया. सूचना मिलते ही इंडियन एयरफोर्स के जवान मौके पर पहुंच गए हैं. भिंड जनपद के एक गांव के एक खेत में अचानक से अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर आ उतरा. कुछ तकनीकी खराबी की वजह से एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. इसके बाद अपाचे हेलीकॉप्टर के आसपास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. लोग सोचने लगे कि ये यहां क्यों लैंड हुआ है. हालांकि, आपात लैंडिंग के दौरान विमान को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है और पायलट भी पूरी तरह से सुरक्षित है. इंडियन एयरफोर्स के अधिकारी के मुताबिक, जैसे ही अपाचे खेत में लैंड हुआ वैसे ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई थी. विमान के पायलट और मौजूद जवान सुरक्षित हैं. उन्होंने विमान से निकलने के बाद ग्रामीणों से कोई बातचीत नहीं की, जिसकी वजह से उन्हें पता नहीं चल सका है कि आखिर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग क्यों कराई गई है? इसके साथ ही अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर भी पूरी तरह से सुरक्षित है।

दिल्ली में दिल दहलाने वाला हत्याकांड, लड़की पर पहले चाकू से 40 वार, फिर पत्थर से मारा

नई दिल्ली। देश की राजधानी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने है. दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में एक लड़के ने रविवार को सरेराह एक लड़की की हत्या कर दी. आरोपी ने पहले लड़की पर चाकू से 40 बार वार किया और फिर भी मन नहीं भरा तो उसने पत्थर से भी पटक-पटक कर मारा. इस सनसनीखेज वारदात का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. सूचना पर पुलिस ने आनन-फानन में घायल लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लड़की अपनी एक दोस्त की बर्थडे पार्टी के लिए जा रही थी. रास्ते में सिरफिरे लड़ने ने उसे रोका और किसी बात को दोनों में कहासुनी हो गई. इसके बाद आरोपी लड़के चाकू निकालकर लड़की पर दनादन वार करने लगा. इसके बाद सिरफिरे का मन नहीं भरा तो उसने नीचे से पत्थर उठाया और पीड़िता के ऊपर पटकने लगा. इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. इस घटना के दौरान गली में और भी लोग मौजूद थे.

इस मर्डर को लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है. सीसीटीवी में साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी कैसे लड़की पर चाकू और पत्थर से हमला कर रहा है. वहां अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन सिरफिरे लड़के को किसी का डर नहीं था. इस दौरान एक व्यक्ति ने आरोपी को रोकने का भी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना. पुलिस के मुताबिक, लड़के लड़की दोनों पहले से दोस्त थे और पीड़िता नाबालिग बताई जा रही है. पुलिस आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है. दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि दिल्ली के शाहबाद डेरी में एक नाबालिग मासूम गुड़िया को चाकू से गोद-गोदकर मारा गया और उसके बाद पत्थर से उसे कुचल दिया गया. दिल्ली में दरिंदों के हौसले बुलंद हैं. पुलिस को नोटिस जारी कर रहे हैं. सब हदें पार हो गई हैं. मैंने अपने इतने सालों के करियर में इससे अधिक भयानक कुछ नहीं देखा.

फिर लगेगा लॉकडाउन! जून के अंतिम सप्ताह से आने लगेंगे केस

नई दिल्ली। कोरोना महामारी का खतरा पूरी तरह टला नहीं है. इस बीच एक और डराने वाली खबर सामने आ रही है. दरअसल जून महीने के अंत से एक बार फिर लॉकडाउन लगने की स्थितियां बन रही हैं. हालांकि भारत के लिए नहीं बल्कि जहां से इस महामारी की उत्पत्ति हुई थी वहां इसको लेकर बड़ा खतरा मंडरा रहा है. चीन में एक बार फिर लॉकडाउन लगने के आसार बन रहे हैं. कोविड-19 के नए मामलों को लेकर आशंका जताई गई है कि जून के अंतिम सप्ताह से यहां 6.5 करोड़ केस दर्ज किए जाएंगे जो डराने वाला आंकड़ा है. यही वजह है कि महामारी से जुड़े इतने मामलों के चलते यहां एक बार फिर लॉकडाउन लगाया जा सकता है. चीन के सबसे बड़ा शहरों में शुमार शंघाई के हुआशान हॉस्पिटल में संक्रमण रोगों के केंद्र के निदेशक डॉ. झांग वेनहोंग के मुताबिक, जून के अंत तक चीन में कोरोना महामारी का प्रकोप एक बार फिर देखने को मिल सकता है. उन्होंने कहा कि, इसका सीधे तौर पर आर्थिक

गतिविधियों और आम जनजीवन पर प्रभाव पड़ेगा. क्योंकि बड़ी संख्या में नए मामलों के सामने आने से कठोर प्रतिबंध जैसे लॉकडाउन लगाने की स्थिति बनती दिख रही है. न्यूयॉर्क टाइम की मानें तो आर्थिक विकास को लेकर बीजिंग लगातार कोशिश कर रहा है, लेकिन कोरोना महामारी के चलते देश की आर्थिक नब्ज कमजोर हो रही है. कोरोना की पहली लहर के मुकाबले अंतिम लहर में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है. वहीं चीन का मानना है कि कोरोना से खतरा अब काफी कम है, क्योंकि कोविड-19 के लक्षण अब पहले के मुकाबले हल्के हैं. ऐसे में लोगों को ज्यादा ना डरने की सलाह दी जा रही है. चीन में अप्रैल के बाद से लगातार कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं .डॉ. झांग के मुताबिक जून के अंत तक इन मामलों में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा. हर हफ्ते 65 मिलियन यानी साढ़े छह करोड़ के आस-पास नए केस सामने आएंगे. ये आंकड़ा निश्चित रूप से डराने वाला है. हालांकि उन्होंने मई के महीने में भी हर हफ्ते 40 मिलियन संक्रमण वृद्धि को लेकर भविष्यवाणी की थी. चीन ने कोरोना महामारी से बचने के लिए लगातार जीरो कोविड पॉलिसी को लागू किया. इस नीति के प्रसारण के लिए सख्त लॉकडाउन, सामूहिक परीक्षण, संपर्क अनुरेखण और संगरोध उपाय प्रमुख रूप से शामिल हैं. हालांकि चीन की इस कोशिश के चलते लगातार आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है.

पीएम मोदी ने नार्थ ईस्ट को पहली वंदे भारत की दी सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात दी है. ये ट्रेन गुवाहाटी से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच दौड़ेगी. पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हरी झंडी दिखाकर नार्थ ईस्ट की पहली और देश की 18वीं वंदे भारत ट्रेन को रवाना किया. इस दौरान उन्होंने ने कहा कि असम समेत पूरे नॉर्थ ईस्ट की रेल कनेक्टिविटी के लिए आज एक बहुत बड़ा दिन है. नॉर्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी से जुड़े तीन काम आज एक साथ हो रहे हैं. नॉर्थ ईस्ट को आज अपनी पहली मेड इन इंडिया वंदे भारत एक्सप्रेस मिल रही है. असम और मेघालय के करीब सवा चार सौ किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर बिजलीकरण का कार्य पूरा हो गया है. लामडिंग में नवनिर्मित डेमो मेमो शेड का भी आज लोकार्पण हुआ है. उन्होंने आगे कहा कि पिछले 9 साल भारत के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों के रहे हैं, नए भारत के निर्माण के रहे हैं. देश को कल ही आजाद भारत की भव्य-दिव्य आधुनिक संसद मिली है. ये भारत के हजारों सालों पुराने लोकतांत्रिक इतिहास को हमारे समृद्ध लोकतांत्रिक भविष्य से जोड़ने वाली संसद है. हमारी सरकार ने आने के बाद सबसे ज्यादा गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी. गरीबों के घर से लेकर महिलाओं के लिए टॉयलेट तक, पानी की पाइपलाइन से लेकर बिजली कनेक्शन तक, गैस पाइपलाइन से लेकर एम्स मेडिकल कॉलेज तक, रोड, रेल, जलमार्ग, पोर्ट, एयरपोर्ट, मोबाइल कनेक्टिविटी, हर क्षेत्र में हमने पूरी शक्ति से कार्य किया है.

मर्डर की जगह सिद्धू मूसेवाला की मां ने बेटे को किया नमन

नई दिल्ली। दिवगंत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मौत को आज पूरा एक साल हो गया है. आज के दिन ही पिछले साल मानसा के गांव जवारके में गैंगस्टार गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई के गैंग ने उनकी गोली मारकर हत्या की थी. आज मूसेवाला की बरसी पर उनका परिवार और चाहने वाले उन्हें याद कर रहे हैं, ऐसे में श्मशान घाट के पास मूसेवाला के पोस्टर और दुकानें सजी हुई हैं. गांव में विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं. वहीं उनकी मां चरणजीत कौर ने सिद्धू मूसेवाला को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की. उन्होंने लिखा, वह दिन खुशी से आया, जब मैंने अपने गर्भ में आपको महसूस किया. 9 महीने बड़े प्यार और इच्छा से आपको पाला और जून में आपको अपनी गोद में बैठाया, कभी नजर से बचाती तो कभी खिलखिलाती. सुंदर दस्तार सजाती, कभी सच्चाई और ईमानदारी का पाठ पढ़ाती, कभी काम की कीमत का ज्ञान सिखाती. झुककर चलना बुरा नहीं है, यह ध्यान में रखकर तुम्हें मंजिल तक पहुंचाती थी, पर मुझे पता न था बेटा तेरा मुकाम तुझे मुझसे दूर कर देगा. साथ ही उनकी मां उस जगह पर गईं जिस जगह पर सिद्धू मूसेवाला को गोली लगी थी, गांव में उस जगह पर गोली के निशान देखकर वो फूट-फूटकर रोने लगीं. उन्होंने कहा, गोलियों के निशान मुझे उस क्रूरता की याद दिलाते हैं जिसका मेरे बेटे ने सामना किया था. एक साल बीत चुका है, लेकिन हम अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं. मास्टरमाइंड को सजा मिलने तक न्याय के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी. उनकी हत्या एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी और असली साजिशकर्ता अभी बेनकाब नहीं हुए हैं. पंजाब पुलिस इस मामले में 25 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी हैं, वहीं 34 आरोपी नामजद है.

हत्याकांड पर बोले सीएम अरविंद केजरीवाल राजधानी में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक मासूम की हत्याकांड ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है. 16 वर्ष की नाबालिग लड़की को उसी के प्रेमी ने पहले चाकुओं से गोदा और फिर पत्थर से उसे बुरी तरह मसल दिया. इस हत्याकांड की गूंज देशभर में सुनाई दे रही है. वहीं इस मर्डर को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना और दिल्ली पुलिस से गुहार लगाई है. सीएम केजरीवाल ने कहा कि, हत्यारे और कानून व्यवस्था को लेकर जरूरी कदम उठाएं. बता दें कि हत्या करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. हालांकि इस हत्याकांड ने सभी को हिलाकर रख दिया है.दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट के जरिए एलजी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि, दिल्ली का कानून व्यवस्था आपके जिम्मे है, लेकिन यहां दिन दहाड़े मासूमों को मौत के घाट उतार दिया जा रहा है और कई घंटों तक अपराधी बेखौफ घूम रहा है. उन्होंने कहा कि, कानून व्यवस्था आपकी जिम्मेदारी. यही नहीं सीएम केजरीवाल ने एलजी से जल्द कुछ एक्शन लेने की अपील भी की. सीएम केजरीवाल ये भी कहा कि दिल्ली में अपराधी बेखौफ हो गए हैं. यहां किसी भी मुजरिम को पुलिस का डर नहीं है. ये हत्याकांड भी इसी का एक हिस्सा है. वहीं बढ़ते दबाव के बीच दिल्ली पुलिस ने वारदात के 24 घंटे के अंदर हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने इस युवक को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से गिरफ्तार किया है. बता दें कि पुलिस ने शाहबाद डेयरी इलाके से उसे दोपहर 3 बजे अरेस्ट किया है.

मामला दिल्ली के शाहबाद इलाके का है. जहां एक सिर फिरे आशिक ने अपनी प्रेमिका से किसी बात पर अनबन होने के बाद उसकी निर्मम हत्या कर डाली. इस आशिक ने पहले 16 बार चाकुओं से इस नाबालिग लड़की को गोदा और फिर भी जब इस हत्यारे का मन नहीं माना तो इसने पत्थर उठाकर इससे कई वार उस पर कर डाले. बताया जा रहा है कि दोनों के बीच रविवार को किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था. इसके बाद जब नाबालिग लड़की अपने दोस्तों के साथ किसी बर्थडे पार्टी

में शामिल होने जा रही थी, उसी दौरान इस सिर फिरे आशिक ने इस जघन्या वारदात को अंजाम दिया. इस क्रूर मर्डर के बाद ये युवक बेखौफ वहां से फरार हो गया. पीड़िता को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने भले ही वारदात से 24 घंटे में इस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस वारदात ने एक बार फिर श्रद्धा मर्डर केस की यादों को जहन में ताजा कर दिया है. जब आफताब ने प्यार में असफल होने के बाद इसी तरह अपनी गर्लफ्रेंड के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे. फिलहाल ये मामला अदालत में चल रहा है. लेकिन राजधानी में कानून व्यवस्था को ताक पर रख अपराधी इस तरह के जघन्य अपराधों को अंजाम दे रहे हैं.

नई संसद के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए जद (यू) ने की हरिवंश नारायण सिंह की आलोचना

पटना। जद (यू) ने सोमवार को अपने सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को पार्टी लाइन का उल्लंघन करने और नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए फटकार लगाई। इसे अपराध करार देते हुए एमएलसी और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, जब नई संसद के उद्घाटन के दौरान देश के लोकतंत्र को कलंकित किया जा रहा था, सिंह वहां गए और कार्यक्रम

में हिस्सा लिया। हमारे शीर्ष नेतृत्व ने पहले ही कार्यक्रम के बहिष्कार की घोषणा कर दी थी। फोटो दिखाते हुए नीरज कुमार ने सिंह से पूछा, राज्यसभा अध्यक्ष को आमंत्रित नहीं किया गया था, लेकिन आप कुर्सी पर बैठे हैं। क्या आपने कुर्सी के लिए अपना जमीर बेच दिया है। आने वाली पीढ़ी आपको माफ नहीं करेगी।

बागेश्वर धाम सरकार के दिव्य दरबार को लेकर आई बड़ी अपडेट, नहीं होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों जबरदस्त सुर्खियां बंटोर रहे हैं. अपने खास कार्यक्रम दिव्य दरबार के जरिए वे लाखों -करोड़ों लोगों के दिलों पर राज भी कर रहे हैं. यही वजह है कि उनके अनुयायियों या फिर समर्थकों में दिव्य दरबार को लेकर जबरदस्त उत्साह और इंतजार रहता है. अलग-अलग प्रदेशों और शहरों में बाबा धीरेंद्र शास्त्री के इस खास कार्यक्रम ने कई रिकॉर्ड भी तोड़े हैं. लेकिन अब इस कार्यक्रम को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. दरअसल बागेश्वर धाम सरकार के खास कार्यक्रम दिव्य दरबार का आयोजन अहमदाबाद में होना था. लेकिन बारिश के चलते इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है. बाबा धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों गुजरात दौरे पर हैं. यहां के अलग-अलग शहरों में उनका दिव्य दरबार लगाया जा रहा है. हाल में धीरेंद्र शास्त्री

ने सूरत में अपना ये कार्यक्रम पूरा किया. जहां एक मुस्लिम महिला के हिंदू धर्म परिवर्तन ने जमकर सुर्खियां भी बंटोरी थीं. बांग्लादेश से आई इस महिला ने ना सिर्फ अपना मजहब बदला बल्कि हिंदू धर्म को अपनाकर बकायदा पूजा पाठ भी की.

मिली जानकारी के मुताबिक, भारी बारिश की वजह से जिन स्थान पर धीरेंद्र शास्त्री का दिव्य दरबार आयोजित किया जाना था उस स्थल पर काफी पानी जमा हो गया है. लिहाजा इस कार्यक्रम को सोमवार 29 मई को आयोजित नहीं किया जा रहा है. बल्कि इसकी जगह ये कार्यक्रम 30 मई को इसी स्थान पर आयोजित होगा. बता दें कि अपने गुजरात दौरे पर धीरेंद्र शास्त्री ने एक बार फिर हिंदू राष्ट्र का राग अलापा है. इस बार उन्होंने भारत के साथ-साथ पाकिस्तान को भी हिंदू राष्ट्र बनाने की बात कही है. यही नहीं उन्होंने गुजरात के लोगों को पागलों कहकर संबोधित भी किया. उन्होंने कहा कि गुजरात के पागलों, हम तो पाकिस्तान को भी हिंदू राष्ट्र बनवाएंगे. ये बात उन्होंने सूरत के लिंबायत इलाके में आयोजित दिव्य दरबार के दौरान कही. बता दें कि धीरेंद्र शास्त्री ने यहां बनासकांठा जाकर मां अंबे की पूजा अर्चना की और उनका आशीर्वाद भी लिया. हर बार की तरह सूरत के दिव्य दरबार में भी बेतहाशा भीड़ उमड़ी थी. इस दौरान कई धर्म गुरुओं और संतों ने भी बागेश्वर धाम सरकार के दिव्य दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

प्रदेश की लाड़ली बहनों के लिये ऐतिहासिक दिन होगा 10 जून

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में एक करोड़ से अधिक डीबीटी इनेबल योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया पूर्णता की ओर

पुष्पांजली टुडे

दमोह। प्रदेश की एक करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के लिये 10 जून का दिन ऐतिहासिक होगा। इस दिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दिल से उपजी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ उन्हें मिलना शुरू हो जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजना में प्रावधान किया है कि गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार की पात्र बहनों के खाते में जून माह से एक-एक हजार रूपये अंतरित किये जायेंगे। बहनों को यह राशि प्रतिमाह मिलेगी।
योजना में पंजीयन कराने के अंतिम दिन तक एक करोड़ 25 लाख 33 हजार 145 बहनों ने पंजीयन करवाया। इसमें से अब तक एक करोड़ 12 लाख 57 हजार 65 बहनों के डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) इनेबल किये जा चुके हैं। शेष डीबीटी का कार्य सुचारू रूप से 30 मई तक पूरा किया जायेगा।

जिलेवार डीबीटी इनेबल-मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में अब तक भोपाल संभाग के भोपाल जिले में 2 लाख 78 हजार 133, रायसेन में 2 लाख 18 हजार 280, राजगढ़ में 2 लाख 63 हजार 651, सीहोर में 2 लाख 13 हजार 311 और विदिशा जिले में 2 लाख 42 हजार 758 डीबीटी इनेबल हो चुके हैं। चम्बल संभाग के भिण्ड जिले में 2 लाख 71 हजार 673, मुरैना में 2 लाख 92 हजार 179 और श्योपुर जिले में 96 हजार 266, ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले में 2 लाख 73 हजार 82, अशोकनगर में एक लाख 38 हजार 918, दतिया में एक लाख 30 हजार 668, गुना में 2 लाख 2 हजार 784 और शिवपुरी जिले में 2 लाख 46 हजार 734 डीबीटी इनेबल किये जा चुके हैं। नर्मदापुरम संभाग के नर्मदापुरम जिले में एक लाख 86 हजार 979, बैतूल में 2 लाख 42 हजार 532, हरदा जिले में 81 हजार 607, इंदौर संभाग के इंदौर जिले में 3 लाख 91 हजार 443, अलीराजपुर में एक लाख 11 हजार 672, बड़वानी में 2 लाख 17 हजार 284, बुरहानपुर में एक लाख 14 हजार 354, धार में 3 लाख 32 हजार 307, झाबुआ में एक लाख 82 हजार 174, खण्डवा में एक लाख 89 हजार 782 और खरगोन जिले में 2 लाख 81 हजार 362 डीबीटी इनेबल किये जा चुके हैं। जबलपुर संभाग के जबलपुर जिले में 3 लाख 48 हजार 695, बालाघाट में 3 लाख 29 हजार 440, छिंदवाड़ा में 3 लाख 54 हजार 686, डिण्डोरी में एक लाख 17 हजार 7, कटनी में 2 लाख 14 हजार 268, मण्डला में एक लाख 83 हजार 232, नरसिंहपुर में एक लाख 92 हजार 905 और सिवनी जिले में 2 लाख 44 हजार 523 बहनों के डीबीटी इनेबल किये जा चुके हैं। रीवा संभाग के रीवा जिले में 3 लाख 61 हजार 265, सतना में 3 लाख 23 हजार 483, सीधी में एक लाख 82 हजार 121 और सिंगरौली जिले में एक लाख 71 हजार 64 डीबीटी इनेबल किये जा चुके हैं। सागर संभाग के सागर जिले में 3 लाख 62 हजार 903, छतरपुर में 2 लाख 82 हजार 253, दमोह में 2 लाख 22 हजार 552, निवाड़ी में 69 हजार 644, पन्ना में एक लाख 55 हजार 893 और टीकमगढ़ जिले में एक लाख 85 हजार 760, शहडोल संभाग के शहडोल जिले में एक लाख 68 हजार 428, अनूपपुर जिले में एक लाख 15 हजार 726 और उमरिया जिले में 94 हजार 713 डीबीटी इनेबल किये गये हैं। उज्जैन संभाग के उज्जैन जिले में 3 लाख 2 हजार 117, आगर-मालवा में 99 हजार 797, देवास में 2 लाख 45 हजार 455, मंदसौर में 2 लाख 37 हजार 421, नीमच में एक लाख 42 हजार 2, रतलाम में 2 लाख 26 हजार 378 और शाजापुर जिले में एक लाख 54 हजार 20 बहनों के डीबीटी इनेबल किये जा चुके हैं।

एमपी बोर्ड ने कक्षा 10 और 12 के परिणाम घोषित कर दिए हैं

रिपोर्टर- प्रतीष अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

ख़बर है। जिले के मधुसुधनगढ़ से जहां। रौनक पुत्र सुरेश प्रजापति जो की शा. उ. मा. विद्यालय मधुसुधनगढ़ के छात्र हैं जिन्होंने कक्षा 10 में 500 में से 471 अंक प्राप्त किए जिनका प्रतिशत 94.2त्ननीतेश पुत्र दारासिंह बुनकर जिन्होने 500में से 474 अंक प्राप्त किया। उनका प्रतिशत 94.8त्न रहा। अनमोल पुत्री रामसेवक विश्वकर्मा जिन्होंने 500 में से 424 अंक प्राप्त कर 84.8 त्न हासिल किया। मनोहर पुत्र ब्रजमोहन लोधी जिन्होने 500 में से 424 अंक प्राप्त किए। 84.8त्न, दीपक पुत्र नवल सेन 500में से 418 अंक प्राप्त किए। 83.4 प्रतिशत सूफिया पुत्री शराफत राईन 500 में से 406 अंक प्राप्त किए। 81.2प्रतिशत सभी छात्र हैं। संस्था के संचालक संजय सिंह सिसौदिया एवं अश्विन साहू है। सभी छात्र छात्राओं को उनके परिजनों मित्रगण एवं शिक्षको ने बधाइयां दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कक्षा 12 वी में हर्षिता पुत्री पंकज पालीवाल जिन्होने 500 में 448 अंक प्राप्त किए जिनका प्रतिशत 89.6प्रतिशत रहा। तरुण पुत्र घनश्याम साहू 500 में से 447 अंक प्राप्त किए। जिनका प्रतिशत 89.5प्रतिशत रहा।

ढोला में करंट लगने से संविदा लाइनमैन की मौत, धरने पर बैठे सैकड़ों ग्रामीण

पुष्पाजंली टुडे

पाली। तखतगढ़ समीपवर्ती ढोला गांव में बिजली की लाइन में शनिवार शाम को आनलाइन शिकायत का फाल्ड निकालते समय करंट लगने से संविदा लाइनमैन मोतीलाल सीलनी की मौत हो गई। ग्रामीणों ने लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। शव को लेकर रविवार सुबह से ढ़ोला के राजकीय अस्पताल में सैकड़ो ग्रामीण धरने पर बैठे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में फाल्ट निकालते समय सांडेराव डिस्काम का लाइनमैन भी मौजूद था। घटना के बाद, सरपंच मेघाराम परमार, अधिवक्ता गणपतलाल व अमृतलाल, भाजपा युवा नेता विजय मरूधर, भोलाराम सीरवी अध्यापक, पूर्व सरपंच चेलाराम सीरवी, तुलसाराम चौधरी, तगाराम सीरवी, ईन्दाराम पिचावा एडवोकेट लक्ष्मण चौधरी भीमाराम चाणौद सहित सैकड़ों ग्रामीण धरने पर बैठे हैं। सप्रशासनिक अधिकारी , सीओ सुमेरपुर व सांडेराव थाना प्रभारी सरजिल मलिक सहित पुलिस जब्ता मौके पर पहुंचे गए। बताया जा रहा है कि ढोला निवासी संविदा लाइनमैन मोतीलाल(48) पुत्र मनाराम चौधरी डिस्काम में पांच साल से ठेके पर कार्य कर रहा था। शनिवार शाम को अपने गांव में फाल्ट निकालते समय सांडेराव डिस्काम का लाइनमैन भी मौजूद था। ऐसे में करंट लगने से पोल से नीचे गिर गया। ठेकेदार द्वारा मात्र 2 लाख कि सहायता राशी देने कि घोषणा पर एक बार ढोला का माहौल गर्मा गया जब ग्रामीणों ने कड़ा रूख अपनाते हुए दबाव बनाया तो प्रशासनिक अधिकारी और विधुत विभाग और ठेका कम्पनी के अधिकारियों द्वारा मॉगो पर सहमति बनी ।जिसमे मृतक के आश्रित को 13 लाख की आर्थिक सहायता कि घोषणा के बाद ग्रामीणो ने धरने को समाप्त किया।

दिनारा के छात्रों ने कक्षा दसवीं में लहराया परचम

हरिओम चतुर्वेदी ब्यूरो

दिनाराङ्घ्ठ मध्यप्रदेश बोर्ड के कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम जेसे ही घोषित हुए तो दिनारा के होनहार छात्र शिवम यादव पुत्र सुंदर यादव 95.2 प्रतिशत, नितिन यादव पुत्र राजबहादुर यादव 91.8प्रतिशत, प्रिंस यादव पुत्र दुर्ग सिंह यादव 90.6 प्रतिशत, क्रिश यादव पुत्र रोहित यादव 89.8त्न, गोरी सेन पिता रघुनंदन सेन 89.2त्न, मानव रावत पिता नीरज रावत 89त्न, हर्षिता साँवला पिता परमेन्द्र साँवला 88प्रतिशत, खास बात शिवम यादव ने कक्षा 10 में गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। कक्षा दसवीं के छात्र शिवम यादव पिता सुंदर यादव ने बताया कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी लगन से की एवं अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं अपने शिक्षक एस के गुरु को दिया।

घर पर लगी टोंटी से मिल रहा पर्याप्त और शुद्ध जल

जल जीवन मिशन से ग्राम में आई खुशहाली

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना से भिण्ड जिले की जनपद पंचायत अटेर की ग्राम पंचायत परा में ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं। अब उन्हें घर पर लगी टोंटी से ही शुद्व और पर्याप्त जल मिल रहा है। पहले एक मटका पानी भरने के लिए भी खासी मेहनत करनी पड़ती थी। कुओं और दूर दराज के जल स्त्रोतों से पानी ड़ोना पड़ता था जिसमें विशेषकर घर की महिलाओं और युवाओं का समय बर्बाद होता था, लेकिन अब जल जीवन मिशन योजना से घर पर ही पर्याप्त और शुध्द पेयजल मिलने से महिलाओं के समय की बचत हो रही है।
ग्राम परा के ग्रामीणजन बताते हैं कि बचे हुए समय का सदुपयोग ग्राम की महिलाएं अब अपने बच्चों की बेहतर परवरिश में करती हैं। पापड़ बनाने, सिलाई करने एवं अचार बनाने जैसे कार्य ग्रामों में कुटीर उद्योग का रूप लेते जा रहे हैं जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर और सशक्त हो रही हैं। दूसरी ओर बच्चों और युवा ग्रामीणों का समय बचने से वे स्कूल और कॉलेज समय पर जाकर अब बेहतर ड़ंग से पड़ाई कर पा रहे हैं। शुद्व पेयजल मिलने से लोग अब बार-बार ज्यादा बीमार भी नहीं होते हैं। अब सभी अधिक स्वस्थ रहते हैं। ग्राम परा के ग्रामीणजन बताते हैं कि घर पर नल लगने से बहुत सुविधा हो गई है। पानी भरने में लगने वाला समय बहुत कम हो गया है। युवाओं को पड़ने का पर्याप्त समय मिल जाता है। स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में भी शुद्व पेयजल पहुंचने से बच्चों की उपस्थिति बड़ रही है। पशुओं को भी ग्रामीण अब घर पर ही पर्याप्त और शुद्व जल पिला पाते हैं। ग्रामीणों को हुई इस सुविधा के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का धन्यवाद कर रहे हैं।

गर्मी का प्रकोप सेहत पर भारी, डाक्टरों की बताई इन सात बातों का जरूर रखें ध्यान डा. राकेश शर्मा मेडीकल ऑफीसर अम्बाह

अम्बाह। गर्मी का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गर्मी के कारण लोग बेहाल हो गए हैं। गर्मी का असर स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। लोग बीमार हो रहे हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों में उल्टी-दस्त और बुखार आदि के मरीजों की भीड़ है। इन दिनों चिकित्सक गर्मी से बचने की सलाह दे रहे हैं।

सेहत को लेकर लापरवाही बरतने वाले पड़ रहे बीमार-इन दिनों तापमान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दिन के समय ऐसा लगता है जैसे मानों सूर्यदेव आग उगल रहे हैं। गर्मी के इस मौसम में सेहत को लेकर लापरवाही बरतने वाले बीमार पड़ रहे हैं। सिविल अस्पताल अम्बाह में उपचार को आने वाले मरीजों में 50 प्रतिशत मरीज केवल ऐसे हैं जो बुखार, उल्टी-दस्त व पेट में दर्द आदि से पीड़ित आ रहे हैं।

गर्मी से बचकर रहने की जरूरत-इसी तरह से निजी अस्पतालों में बुखार, पेट खराब या फिर डायरिया आदि के मरीज अधिक आ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अधिक गर्मी के कारण बुखार, उल्टी-दस्त और पेट दर्द आदि की समस्या हो रही है। ऐसे गर्मी से बचकर रहने की जरूरत है। बड़ों के साथ-साथ बच्चे भी बुखार और डायरिया जैसी बीमारी की चपेट में आ रहे हैं

कतई लापरवाही न बरतें-सिविल अस्पताल अम्बाह के बालरोग विशेषज्ञ डा. प्रमोद शर्मा ने बताया कि इस समय गर्मी बहुत अधिक हैं। बारिश व तेज धूप होने से यह मौसम अब स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है। ऐसे में काफी सर्तक रहने की जरूरत है। बुखार, उल्टी-दस्त या फिर कोई भी समस्या होने पर तुरंत ही विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह लें। लापरवाही कतई न बरतें।

इन बातों का रखें ध्यान-दोपहर के समय घर से बाहर न निकलें। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को तो बिल्कुल भी न जाने दें। बाहर जाते समय टोपी, आंखों पर चश्मा और पूरी बाजू की शर्ट आदि पहनें। यदि मितली आ रही है या फिर दस्त होते हैं तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। दस्त और उल्टी होने पर ओआरएस लेते रहे हैं। ताकि शरीर में पानी की कमी न हो पाए। तला भूना और बाहरी खाना न खाएं। बासी खाना खाने से बचें। तरल पदार्थ अधिक मात्रा में लें।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर कई अधिकारियों को नोटिस एवं कई अधिकारियों का वेतन काटने दिये निर्देश

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में एडीएम जेपी सैयाम, एसडीएम मेहगांव वरूण अवस्थी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने बैठक में जनसेवा अभियान- 2 अंर्तगत सीएम हेल्पलाइन की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देशित किया की सभी विभाग लंबित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय- सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने 10 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक चलने वाले जनसेवा अभियान के संबंध में संबंधित विभागों की 67 सेवा अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण गंभीरता से करने निर्देश दिये। कलेक्टर ने जनसेवा अभियान- 2 के एक घटक अंतर्गत सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की जिसमें नगरीय निकाय अंतर्गत प्राप्त शिकायतों में 50 प्रतिशत से अधिक शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने पर समस्त नगरीय निकाय सीएमओ को बधाई दी साथ ही सीएमओ भिण्ड एवं गोहद को निराकरण प्रतिशत बढ़ाने निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्राप्त शिकायतों में 50 प्रतिशत से अधिक शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग टीम को बधाई दी। उन्होंने ऊर्जा विभाग में संतुष्टि प्रतिशत अच्छा होने पर टीम को बधाई दी। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निराकरण संतुष्टि प्रतिशत से कम होने पर भिण्ड ग्रामीण, भिण्ड शहरी, मौ, अटेर, गोरमी, बरोही सीडीपीओ को नोटिस जारी करने निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निराकरण संतुष्टि प्रतिशत से कम होने पर बीईओ अटेर एवं बीईओ भिण्ड एक सप्ताह का वेतन काटने निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने एमजेएस महाविद्यालय परिसर में लगे पौधों की समय-समय पर मॉनिटरिंग ना करने, कार्य में लापरबाही बरतने पर सीएमओ भिण्ड एवं एमजेएस प्रिंसिपल का दो सप्ताह का वेतन काटने निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने लाड़ली बहना योजना अंतर्गत आपत्ति निराकरण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना की प्रगति, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, उपार्जन खरीदी केंद्र व्यवस्था, ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता सर्वेक्षण, जल जीवन मिशन योजना, सामान्य निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण गतिविधियां सहित अन्य समय सीमा संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा की।

युवक की गर्दन में घुसा लोहे का सरिया हालत हुई नाजुक

108 इमरजेंसी एंबुलेंस के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी द्वारा शीघ्र पहुंचाया गया जिला अस्पताल मुरार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मालनपुर (भिण्ड) । जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 09:30 बजे मालनपुर थाना 108 इमरजेंसी एंबुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनएस 8056 पर सूचना मिली कि किसी व्यक्ति के गले में लोहे का सरिया घुस गया है 108 इमरजेंसी एंबुलेंस के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी और उनके सहयोगी इएमटी आनंद धर्मेश और उनके साथी ई एम टी विपिन यादव शीघ्र ही घटनास्थल पर पहुंचे, वहां पहुंचने पर मार्बल कंपनी के सिक्योरिटी इंचार्ज कमल भदौरिया के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति जिसका नाम राजेश सिसोदिया पुत्र गजेंद्र सिसोदिया निवासी झांसी उत्तर प्रदेश का रहने वाला है जो मार्बल मार्बल एंड ग्रेनाइट फैक्ट्री मालनपुर में ब्वॉयलर ऑपरेटर के पद पर कार्य करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है वह पुलिया से नीचे गिर पड़ा था जिसके गले में लोहे की रॉड घुसने के कारण उसकी हालत बहुत नाजुक थी,राजेश सिसोदिया की गंभीर स्थिति को देखते हुए शीघ्र 108 इमरजेंसी एंबुलेंस के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी ने बिना समय गवाएं ,मार्बल कंपनी के एच,आर,मैनेजर ए एस गॉर और मार्बल फैक्ट्री के सिक्योरिटी ऑफीसर कमल भदौरिया, को साथ में लेकर शीघ्र मालनपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे परंतु, पोलियो अभियान में सभी कर्मचारियों की व्यस्तता के कारण,घायल राजेश सिसोदिया को बिना समय गवाएं ईएमटी आनंद धर्मेश की देखरेख में जिला अस्पताल मुरार ले जाकर भर्ती करवाया जिससे राजेश की समय पर जान बचाई जा सके जिला अस्पताल मुरार में राजेश सिसोदिया का समय रहते इलाज जारी करवाया जा सका, जिससे राजेश श्रीवास्तव की जान बच सके।

समाजवादी पार्टी की जिलास्तरीय बैठक हुई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । समाजवादी पार्टी जिला भिंड के जिला संगठन की महत्वपूर्ण बैठक भिंड के सर्किट हाउस में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता भिंड समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज यादव ने की। बैठक के मुख्य अतिथि भोपाल से पधारे समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, अनुशासन समिति के सदस्य और प्रदेश सदस्यता प्रभारी श्रृंजय सिंह यादव थे। इस बैठक में समाजवादी पार्टी के सभी अनुशांगिक संगठनों के जिला अध्यक्षों सहित समस्त सम्माननीय प्रदेश के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। बैठक को सम्बोधित करते हुए अपने मुख्य अतिथीय संबोधन में श्रृंजय सिंह यादव ने कहा कि विधानसभा चुनावों में अब सिर्फ छः महीने शेष हैं। चुनावों में बेहतर प्रदर्शन और संतोषजनक परिणाम हेतु एक सुगठित और अनुशासित संगठन की आवश्यकता होती है। चूंकि, भिंड जिला उत्तर प्रदेश की खांटी समाजवादी उर्वरा आवोहवा के सन्निकट है सो हमारे लिए चुनावी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपने निर्देश दिया कि जिले के सभी फ्रंटल संगठनों का गठन एक सप्ताह के अंदर करके कार्यकारिणी की सूची प्रदेश कार्यालय को प्रस्तुत करें ताकि चुनावों में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी की नीति ÷एक बूथ - दस यूथ÷ को धरातल पर उतारा जा सके। श्री यादव ने कहा कि जिला या प्रदेश के निष्क्रिय पदाधिकारी तुरंत इस्तीफा देकर अपनी सीट खाली करें ताकि उनके द्वारा रिक्त सीटों पर सक्रिय और अनुभवी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जा सके। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में जिले के कार्यकर्ताओं ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि जिले में लम्बे समय से अपने पदों पर कुंडली जमाये हुए कुछ प्रदेश के पदाधिकारी कभी भी जिले की मीटिंगों में नहीं आते हैं और ना ही उन्होंने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया है। ऐसे लोग चुनावों के समय सक्रिय होते हैं और दलाली की फिराक में सिर्फ स्वयं को बड़ा नेता दिखाने के लिए लखनऊ और इटावा के चक्कर

लगाते रहते हैं और कुछ बाहरी लोगों को लखनऊ ले जाकर टिकट पक्का कराने का झांसा देकर हमारे मूल और सपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं को मायूस करने का कार्य करते हैं। इसका परिणाम होता है कि सक्रिय और ईमानदार कार्यकर्ता मायूस और थक हारकर अपने घरों में बैठ जाते हैं। कार्यकर्ताओं की इस पीड़ा भरी शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेकर श्रृंजय सिंह यादव ने आश्वासन दिया और कहा कि यह एक गंभीर बात है और ऐसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कड़ी से कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही कराने के लिए सपा के प्रदेश अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी को लिखित में अवगत कराया जायेगा और त्वरित कार्यवाही के लिए विनम्रतापूर्वक आग्रह किया जायेगा । बैठक को सपा के प्रदेश सचिवद्वय रामरुचि सिंह चंदेल, बीके बोहरे और ग्वालियर से पधारे ग्वालियर महानगर अध्यक्ष राजेश यादव ने भी संबोधित किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भिंड सपा जिलाध्यक्ष नीरज यादव ने संगठन प्रभारी श्रृंजय सिंह को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं भिंड के जिला संगठन को प्रदेश में संख्यात्मक और गुणात्मक दृष्टि से अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने के लिए प्राणप्रण से प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि सात माह पूर्व उन्हें जिले का संगठन शून्य के रूप में मिला था,परंतु आज जो भी संगठन दिख रहा है वह उनकी लगन और ईमानदारी से की गयी मेहनत का परिणाम है। बैठक का सफल और कुशल संचालन करते हुए जिला प्रमुख महासचिव अशोक दंडोतिया ने जिले के सम्पूर्ण सांगठनिक और कार्यक्रम संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक के अंत में समाजवादी पार्टी मप्र के अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल की नातिन साक्षी पटेल, मैंनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव की दादी श्रीमती सुभद्रा बाई जी और (मौ) भिंड नगर के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह यादव के दादा मुलायम सिंह यादव के दुखद निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पुण्यात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में प्रमुख रूप से शिरकत करने वालों में श्रृंजय सिंह यादव, नीरज यादव,रामरुचि सिंह चन्देल,बी के बोहरे, राजेश यादव,बृजेन्द्र सिंह, अशोक दंडोतिया , दीपक यादव,राधा मोहन यादव, भूपेंद्र सिंह गुर्जर,सूरज सिंह यादव ,दिनेश यादव,जितेन्द्र कुशवाहा, सूरज बघेल यूथ अध्यक्ष,विकास यादव,सोनू बघेल,लवकुश कुशवाहा, मौ से नगर अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह यादव आदि उपस्थित थे।

बनासकांठा जिले के वाव तालुका के टडाव गांव में बाल किल्लोल ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन हुआ

निल कुमार, ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

गुजरात। बनासकांठा जिले के वाव तहसील के चोथा नेसडा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत जामाजी विहाजी राठौड और देवभूमि द्वारका जिले के प्राथमिक विद्यालय श्री मोटा मांढा वाडी स्कूल के शिक्षक श्री मोटा मांधा वाडी स्कूल के शिक्षक द्वारा बनासकांठा जिले के वाव तालुका के टडाव गांव में एक बाल किल्लोल ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया था। बाल किलोल समर कैंप में ड्राइंग, पेंटिंग, क्राफ्ट, बेस्ट ऑफ द वेस्ट, देसी और रिले गेम्स, एक्टिंग गाने, कहानियां और योग जैसी गतिविधियां शामिल थीं। इस कार्यक्रम के दौरान डी.पी.ई.ओ.श्री, डायट के अध्यापक, बीआरसी, सीआरसी से निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिला। सभी बच्चों ने उत्साह से भाग लिया और खूब मस्ती की।

जगदीशपुरा पहुंचे जगतगुरु परम् पूज्य रामभद्राचार्य जी महाराज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। तुलसीपीठ के पीठाधीश्वर परम् पूज्य रामभद्राचार्य जी महाराज अपने निश्चित कार्यक्रम के अनुसार लहार अनुभाग के ग्राम कुरथर पहुंचे।जहां पर वह श्री राम महायज्ञ में शामिल हुए।तदोपरांत वहां से वह सीधा दबोह क्षेत्र के ग्राम जगदीशपुरा पर कौरव निवास पहुंचे।जिस दौरान रमाशंकर कौरव(रमा) के निवास पर परम् पूज्य गुरुदेव का भव्य स्वागत किया गया उनके दर्शन को आतुर भक्तो ने जय श्री राम के नारे से परिसर को गुंजायमान कर दिया।जिसके बाद परम् पूज्य गुरुदेव ने रमा कौरव के परिजनों से भेंट की व उनके ही निवास पर भोजन ग्रहण किया।आपको बता दें जैसे ही परम पूज्य गुरुदेव के जगदीशपुरा आने की खबर नगर में फैली वैसे ही नगर की जनता में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और सभी लोग परम् पूज्य गुरुदेव के दर्शन को आतुर हो गये और फूल लिए उनका स्वागत किया।

सत्यनारायण व्रत कथा, सुंदरकांड, एकादशी उद्यापन

हवन पूर्णाहुति के साथ ग्रह प्रवेश का कार्य संपन्न हुआ

पुष्पाजंली टुडे

मध्यप्रदेश। रतलाम जिला में स्थित बिरियाखेड़ी वार्ड क्रमांक 10 में मागीलाल चौहान पंचायत इस्पेक्टर के यहा विधि विधान के साथ चला तीन दिवसीय कार्यक्रम आज महा प्रसादी वितरण के साथ संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में सुंदर काण्ड का कार्यक्रम बहुत शानदार रहा । क्युकी सुंदर काण्ड की टीम बजरंगदल जिला प्रमुख हिरालाल सीरवी और उनके भाई भजन गायक शंकर लाल एवम प्रकाश तथा नका भतीजा आर्गन वादक प्रवीण सीरवी एवम पूरा भजन मंडल ने बहुत ही अच्छा कार्यक्रम प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में धार जिला से पधारे भजन गायक बाबूलाल महाराज सोहन जमादारी मंडी द्वीप भोपाल से बाबूलाल चोयल झाबुआ जिले के पेटलावद ग्राम सहित कई जिले के गांवो से पधारे हुए गणमान्य नागरिक बंधुओ की उपस्थिति में कार्य क्रम संपन्न हुआ । ज्ञात रहे मांगीलाल चौहान और हीरालाल सीरवी साहब अमुक पशुओं के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था कई वर्षों से करते आ रहे है ।मांगीलालजी चौहान साहब इसी माह की 31 तारीख को 105 पंचायत के जो इस्पेक्टर बने हुए है । उससे रिटायर हो जायेगे ।और फिरअमुक पशुओं की सेवा में पर्याप्त समय देगे ।

गरियाबंद जिले के विकासखंड देवभोग में जवाहर बाल मंच के प्रदेश अध्यक्ष प्रणव दास वैष्णव जी की उपस्थिति में जेबीएम की विधानसभा व जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग। आज जेबीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी वी हरी सर के निर्देशानुसार जेबीएम के प्रदेश अध्यक्ष प्रणव दास जी की उपस्थिति में जवाहर बाल मंच की विधानसभा व जिलास्तरीय बैठक देवभोग विश्राम गृह में उमेश डोंगरे के नेतृत्व में आहूत की गई थी,जिसमे संगठन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसकी विचार धारा से जोडना,तितली यूनिट जल्द से जल्द जिले के प्रत्येक पंचायत के वार्डों में स्थापित करना ,संगठन विस्तार संबंधित गतिविधियों पर चर्चा कर अभी तक जवाहर बाल मंच में किए गए कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जवाहर बाल मंच के प्रदेश अध्यक्ष प्रणव दास वैष्णव,जिला उपाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ,उमेश डोंगरे,आशीष पांडे विधानसभा अध्यक्ष, निशु बघेल जिला सचिव,नवीन सेन ब्लाक सचिव एनएसयूआई, जिला सचिव केशव सिन्हा, विधानसभा उपाध्यक्ष देवेंद्र बीसी, विधानसभा सचिव खिलेंद्र दुर्गा, पूर्व जिला संयोजक पंकज बीसी व छायासंत बीसी,दुर्गेश मरकाम,पुष्पेंद्र साहू,रमाकांत दौरा,दिव्यकान्त दौरा, प्रियांशु नेताम,जयप्रकाश तिवारी,राहुल तिवारी,आभाष अवस्थी,मोहम्मद तोहिंम,भूपेश बघेल,योगेंद्र बघेल,ओंकार पात्र,पुनीत नेताम, भरत सिन्हा,प्रेम यादव,त्रिलोचन बीसी, शेषनारायण यादव,अमन साहू,ऋतिक राजपूत,अनिल बेसरा,प्रमोद बेसरा,भीष्म विभार,जीत कश्यप,नोहर,देशमुख डोंगरे, इनेश सोनवानी,गोविंदा डोंगरे,देशबंधु डोंगरे,मनोज डोंगरे,हरीश डोंगरे,रमेश प्रधान,चंदन यादव आदि सभी उपस्थित रहे।

ग्वालियर भिंड हाईवे पर बहुआ के निकट हुए हादसे के पीड़ितों को मिले मुआवजा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहंगाव। ग्वालियर-भिण्ड हाईवे पर बहुआ के निकट हुए हादसे में मृतक अजय जाटव पुत्र राकेश जाटव निवासी खैरिया तौर का पुरा परिवार बेहद गरीब है पिता मजदूरी करते हैं और प्रशासन की तरफ से कोई मदद नहीं हुई है इसी तरह इसी हादसे में अटेर के पावई अंतर्गत बसवाहे का पूरा के श्रीचंद जाटव पुत्र गेंदालाल जाटव उम्र 58 तथा उनकी पुत्री ममता जाटव उम्र 30 साल इसी हादसे में उनकी जान चली गई ,प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाजसेवी सुनील फौजी ने बताया आज इन परिवारों से मिले तो बहुत दुख हुआ कितनी गरीबी में जी रहे है, परिवारों के कमाने वाले चले गए ,बहुत दुख होता है जब ग्वालियर भिंड हाईवे को फोरलेन बनाने को लेकर बीजेपी और कांग्रेस का कोई नेता बोलने को तैयार नहीं है, भिंड के भोले भाले गरीबी में जीवन यापन कर रहे लोग हाईवे पर हादसों का शिकार होते हैं और इलाज कराने में कई लोगो पर इतना कर्जा हो जाता है,जिसका दंस जीवन भर झेलते है। मेहंगाव एसडीएम की अनुपस्थिति में उनके रीडर को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन देने वालों में युवा नेता दिनेश बौद्ध ,बंटी नरवरिया सेंथरी,एडवोकेट मुन्ना भाई शामिल थे।सभी ने कहा अगर फोर लेन के संबंध में कार्यवाही नही हुई और पीड़ितों को मुआवजा नहीं मिला तो एक सप्ताह बाद मेहंगाव में करेंगे जन आंदोलन।

सांसद संध्या राय एक माह के प्रवास पर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विधानसभाओं में करेंगे जनसंपर्क

किसान मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक एवं गोहद के शासकीय महाविद्यालय में करेंगे शिरकत

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती संध्या राय अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत दोनों जिले के 30 मई से 30 जून तक प्रवास पर रहकर संसदीय क्षेत्र के आठवां विधानसभा में महा जनसंपर्क अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर प्रत्येक समाज के व्यक्ति तक पहुंच कर जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भाजपा संध्या राय अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत 30 मई को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक मैं समय 2 धनवंती धर्मशाला में शामिल होंगी। जहां सरकार के 9 वर्ष के उपलब्धियों को लेकर मोर्चा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगी। गोहद विधानसभा क्षेत्र के शासकीय महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचेंगे। सांसद संध्या राय महाजनसंपर्क अभियान के तहत दतिया जिले के दतिया, भांडेर, सेवड़ा, एवं भिण्ड जिले के विधानसभा क्षेत्र भिण्ड, गोहद, मेहगांव, लहार, अटेर, के सभी मंडल स्तर पर पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में पहुंचकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बताएंगे। सांसद श्रीमती राय महा जनसंपर्क अभियान के तहत हर समाज के घर घर पहुंच कर योजनाओं को मतदाताओं के बीच समझाते हुए उन्हें लाभ दिलाने के लिए जन जागरण भी करेंगी। भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले महा जनसंपर्क अभियान एवं सांसद संध्या राय के विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर दोनों जिलों के प्रत्येक मंडलों में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

विस्डम गुरुकुल का भव्य शुभारंभ

पालकों और विद्यार्थियों के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा विस्डम गुरूकुल हायर सेकंडरी स्कूल

पुष्पाजंली टुडे

राजगढ़। नवीन विद्यालय के उद्घाटर समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने बतौर अतिथि राजगढ़ नगर के बहुप्रतिक्षित विस्डम गुरूकुल हायर सेकंडरी स्कूल का शुभारंभ शनिवार को भव्य तरीके से अतिथियों और हजारों पालकों की गरीमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। 16000 हजार स्क्वेयर फीट में बने नवीन विद्यालय के उद्घाटन समारोह को संघ के विभाग कार्यवाह ललित कोठारी, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, क्षेत्रीय विधायक प्रताप ग्रेवाल, नगर परिषद राजगढ उपाध्यक्ष दीपक जैन, सिर्वी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल चौधरी, कैलाश मुकाती वीआईपी एवं संस्था के डायरेक्टर शंकरलाल वर्फा ने मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण करने के उपरांत आतिथ्य प्रदान किया। अतिथियों का सम्मान मोतियों की माला एवं पुष्प गुच्छ से किया गया। बोर्ड परीक्षा की मेरिट में आने वाले छात्र/छात्रा का हुआ सम्मान। संस्था संचालक देवेंद्र सतपुड़ा एवं कामेश सतपुड़ा ने बताया कि शाम 6 बजे से आरंभ हुए इस भव्य उद्घाटन समारोह के दौरान विद्यालय के 10वीं की जिले की मेरिट में आने वाले छात्र गौरव पिता मोतिलाल सेंचा एवं 12वीं में जिले की मेरिट में आने वाली छात्रा कुमकुम दीपक बैरागी का मंच से ट्राफ व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इसके अलावा अन्य सभी होनहार विद्यार्थियों का सम्मान भी उनके माता पिता की उपस्थित में सम्मान किया गया। कार्यक्रम को मुख्य आतिथ्य प्रदान करने वाले सोमानी ने कहा कि विद्यालय बहुत सारे होते हैं लेकिन जहां पर बच्चो को किताबों के साथ ही नैतिक और व्यवहारिक शिक्षा दी जाए और राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव जाग्रत किया जा सके, वह विद्यालय बच्चों के लिए उपयुक्त होता है। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा बंधुओं से लंबे समय से संपर्क में हैं और इनकी शिक्षा की व्यवस्था देखकर

मन प्रसन्न हो जाता है। पालकों और विद्यार्थियों के लिए विस्डम गुरूकुल हायर सेकंडरी स्कूल निश्चित ही सबसे बेहतर विकल्प होगा। नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री जैन ने कहा कि यह प्रांगण सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को गढ़ने मात्र का स्थान नहीं अपितु राष्ट्र भक्ति, संस्कार और नैतिक शिक्षा उपलब्ध कराने का भी एक अहम स्थान हैं। कोठारी ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से सतपुड़ा परिवार को लंबे समय से जानता हूं। पूरा परिवार उच्च शिक्षित हैं । कोठारी ने कहा कि एक वर्ष मेरिट में आना कोई बड़ी बात नही है परंतु हर वर्ष मेरिट लाना और अपने स्तर को बनाये रखना बड़ी बात है। परिवार के आयदान सतपड़ा और नानूराम सतपुड़ा ने शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए देवेंद्र सतपुड़ा, कामेश सतपुड़ा और पंकज सतपुड़ा को जिस तरह प्रोत्साहित कर आगे बड़ाया हैं, उस पर सभी खरे उतरे हैं। रिंगनोद जैसे क्षेत्र में जहां चुनौतियां थीं, वहां इन्होंने अपने आपको साबित किया है तो निश्चित रूप से राजगढ़ में भी संस्था बेहतर ही करेगी। विधायक ग्रेवाल एवं समाजसेवी बाबुलाल चौधरी ने भी संबोधित करते हुए विस्डम गुरूकुल हायर सेकंडरी स्कूल को क्षेत्र के लिए एक बेहतर विकल्प और बड़ी सौगात बताया। करीब 5 हजार लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ यह कार्यक्रम रात 10:30 बजे समापन की ओर अग्रसर हुआ। आभार संस्था संचालक देवेंद्र सतपुड़ा ने माना।अब तक 42 लाख रुपए से सम्मानित हो चुके हैं विद्यालय के होनहार।गौरतलब है कि विस्डम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के पहले विद्यालय का संचालन पिछले 5 वर्षों से रिंगनोद में विधिवत तरीके से हो रहा है। सतपुड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि इन 5 वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना के तहत मिलने वाली राशि से कई विद्यार्थी सम्मानित हुए हैं। अब तक करीब 42 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना के तहत स्कूल के विद्यार्थियों को प्राप्त हो चुकी हैं।पिछले वर्ष 41 विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री लेपटॉप योजना में 25-25 हजार की राशि प्राप्त हुई थी।इस बार 48 विद्यार्थियों को यह सम्मान राशि प्राप्त होगी। हनिष्का सेंचा का हुआ पहला प्रवेश संस्था प्राचार्य गौरव दुबे ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं हैं। साथ ही उच्च शिक्षित शिक्षकों के माध्यम से अध्यापन कार्य संपादित किया जाएगा। सतपुड़ा ने अतिथियों से शिक्षको का परिचय कराते हुए सभी शिक्षको की गुणवता भी मंच से साझा की। रात करीब 9 बजे फीता काटकर अतिथियों ने विद्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर कंजरोटा के पालक राहुल सेंचा ने अपनी बालिका हनिष्का सेंचा का प्रवेश विद्यालय की प्रारंभिक कक्षा नर्सरी में कराया।

टूटने लगा है भूजल पर भरोसा

भूजल भंडार कोई निजी जमीन तक सीमित रहने वाली संरचना नहीं है। भूगर्भ-विज्ञान के विकास के साथ हमें पता चल गया है कि भूजल भंडार तो मीलों तक आपस में जुड़े हो सकते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि भूजल को निजी भूमि से जुड़े व्यक्तिगत अधिकार के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती। भूजल एक सामुदायिक संसाधन है।

जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पूरी दुनिया में जल आपूर्ति अपने आप में एक चुनौती के रूप में उभरती दिख रही है। पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढंका हुआ है। कुल उपलब्ध जल का 97 प्रतिशत भाग सागरों में है जो खारा है, इसलिए पीने या सिंचाई के काम नहीं आ सकता। केवल तीन प्रतिशत ही प्रयोग के योग्य है, जिसमें 2.4 प्रतिशत ग्लेशियरों में है। केवल 0.6 प्रतिशत जल ही नदियों, झीलों आदि में है।

पृथ्वी पर कुल 32 करोड़ 60 लाख खरब गैलन पानी है। यह मात्रा घटती-बढ़ती नहीं है। सागरों से पानी भाप बनकर बादलों के रूप में बरसता है, उसमें से कुछ ही ग्लेशियरों और बर्फ, नदी जल, भूजल के रूप में धरती पर रुक जाता है, बाकी बहकर फिर समुद्र में चला जाता है। जो पानी धरती पर रुक गया, वही हमारे उपयोग के योग्य बचता है। जलवायु परिवर्तन से जमीन पर गर्मी बढ़ रही है और इससे ग्लेशियर और बर्फ के रूप में रुकने वाला जल ग्लेशियरों और बर्फ के पिघलने की गति बढ़ने के कारण घटता जा रहा है।

अति-वृष्टि और अनावृष्टि का चक्र चल पड़ा है। वर्षा वाले दिन कम हो रहे हैं और वर्षा की बौछार बढ़ती जा रही है। कई-कई दिन होने वाली बारीक़ बारिश की फुहार गये जमाने की बात हो गई है, जिससे भूजल पुनर्भरण ज्यादा होता था। पिघलने की दर तेज़ होने से, आकलन के मुताबिक 2050 तक हिमालय के ग्लेशियर लगभग समाप्त हो जाएंगे, जिससे नदी की वर्ष भर की सतत आपूर्ति बाधित हो जाएगी। इससे भूजल पर निर्भरता बढ़ती जाएगी। इस समय भी देश में 61.6 प्रतिशत भूमि सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भर है, केवल 24.5 प्रतिशत ही नहरों से सिंचित है। शेष अन्य पारंपरिक साधनों से सिंचाई होती है। कुल निकाले गए भूजल का 89 प्रतिशत सिंचाई के लिए, 2 प्रतिशत उद्योगों के लिए और 9 प्रतिशत घरेलू उपयोग के लिए प्रयोग हो रहा है। भूजल के अत्यधिक दोहन से भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। इसके चलते भूजल दोहन के लिए ऊर्जा का खर्च बढ़ता ही जा रहा है और देश के लगभग एक तिहाई जिलों में स्थायी भूजल भंडार भी समाप्त हो गए हैं। हमें उतना ही भूजल निकालना चाहिए जितना हर वर्ष पुनर्भरण से इकट्ठा होता है। यदि उससे ज्यादा दोहन करेंगे तो स्थायी भूजल भंडार खत्म होते जाएंगे। इस आसन्न संकट को देखकर ही हमें भूजल विकास कार्यक्रम बनाने चाहिए और उनका अनुश्रवण करना चाहिए। भूजल के मामले में एक तो हमारे पास वर्तमान तकनीकों से मेल खाने वाले कानूनों का अभाव था, दूसरे व्यवस्थित अनुश्रवण व्यवस्था भी नहीं थी। 2005 के क़ानून ने इस कमी को कुछ हद तक पूरा किया है। उससे पहले 1882 का एक क़ानून था जिसके अनुसार कोई भी अपनी जमीन के नीचे से भूजल दोहन कर सकता था। जाहिर है, उस समय ऊर्जा-चलित गहरे कुएं बनाने की कोई सुविधा ही उपलब्ध नहीं थी। लोग रेहट, कुओं आदि से भूजल दोहन करते थे जिससे भूजल स्तर पर कोई प्रभाव पड़ने की संभावना ही नहीं रहती थी। आज जब एक डेढ़ हजार फुट नीचे तक से भूजल का निकास संभव हो गया है तो सोचना जरूरी है। भूजल भंडार कोई निजी जमीन तक सीमित रहने वाली संरचना नहीं है। भूगर्भ-विज्ञान के विकास के साथ हमें पता चल गया है कि भूजल भंडार तो मीलों तक आपस में जुड़े हो सकते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि भूजल को निजी भूमि से जुड़े व्यक्तिगत अधिकार के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती। भूजल एक सामुदायिक संसाधन है इसलिए सामुदायिक हितों के दृष्टिगत ही इसका प्रबन्धन होना चाहिए। वर्तमान क़ानून में इस दिशा में रास्ता बना है, किन्तु मौके पर कानून के प्रावधानों को लागू करने की लचर व्यवस्थाओं से काम चलने वाला नहीं है। 2005 के क़ानून के अंतर्गत %भूजल प्राधिकरण% को भूजल नियंत्रण और विनिमयन की पर्याप्त शक्तियां मिली हैं। उनका सम्यक उपयोग किया जाना चाहिए। हिमाचल के सन्दर्भ में एक नजर डालने का प्रयास करते हैं। हिमाचल में दोहन योग्य भूजल 0.97 बिलियन घन मीटर वार्षिक है, जिसमें से 0.36 बिलियन घन मीटर ही निकाला जा रहा है। 2019 तक प्रदेश में 39085 हैंड पंप %जलशक्ति विभाग% द्वारा लगाये गए हैं और 8000 सिंचाई कुएं लगे हैं, किन्तु यह आंकड़ा विश्वसनीय बिलकुल भी नहीं है, क्योंकि बिना मंजूरी और पंजीकरण के कितने हैंडपंप और सिंचाई कुएं लगे हैं इसकी कोई जानकारी किसी के पास नहीं है। विभाग ने कई बार पंजीकरण के आदेश भी दिए हैं उनका क्या असर हुआ, कोई नहीं जानता। नियमों का उल्लंघन करके ट्यूब-वेल लगाने के लिए 5 साल जेल और 10 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान 2005 के क़ानून में था, जिसे संशोधित करके जेल की सजा को हटा दिया गया है। यह अच्छा कदम है, किन्तु जुर्माने के साथ अवैध लगाये गए भूजल दोहन संयंत्रों को बंद करवाने का प्रावधान होना चाहिए, ताकि डर रहे। मौके पर वास्तविक जानकारी के लिए पूरे प्रदेश में फैले %जलशक्ति विभाग% के फिटर से लेकर सहायक अभियंता तक के स्टाफ को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए ताकि वस्तुस्थिति की जानकारी हो और वैज्ञानिक आकलन के अनुरूप व्यवस्था बनाई जा सके। गैर-पंजीकृत ठेकेदारों के काम करने की भी चर्चा है। 2019 में नए बोर करने पर अगले आदेशों तक प्रतिबन्ध लगा था, किन्तु इसके बाबजूद बोर लगाने का काम ऐसे ही लोगों द्वारा चलता रहा। इससे लगता है कि विभाग और सरकारें भूजल को गंभीरता से नहीं ले रही हैं। न ही वैज्ञानिक सर्वेक्षण को विधिवत अपनाया जा रहा है, जो कि इस बात से साबित होता है कि भटियात तहसील में लगे 50फीसदी से ज्यादा हैंडपंप सूखे पड़े हैं। अन्य जगहों में भी इस तरह की स्थितियां देखने में आती हैं। अति दोहन से कई जगह प्राकृतिक जलस्रोत सूखने के भी मामले सामने आये हैं जिनका सर्वेक्षण किया जाना चाहिए, ताकि इसका गलत असर छोटे नदी-नालों के जलस्तर पर न पड़े। इससे हमारी सतही जल पर निर्भर पेयजल योजनाओं पर भी बुरा असर पड़ेगा। यह भी समझ से परे है कि 2017 के आकलन के अनुसार कांगड़ा का इंदौरा, सिरमौर का कालाअंब, सोलन का नालागढ़, और ऊना क्षेत्र में भूजल दोहन स्तर पुनर्भरण क्षमता से ज्यादा था या अति दोहन की श्रेणी में था, किन्तु 2020 के बाद के आकलन में इन क्षेत्रों को भी सुरक्षित घोषित किया गया है, जबकि उसके बाद दोहन का स्तर तो बढ़ता ही गया है।

संपादकीय

कायम रहे संसद की मर्यादा

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में दखल नहीं देगा और यह अदालत का विषय भी नहीं है। उद्घाटन समारोह एक पॉलिटिकल इवेंट बन गया है। भारत के नए संसद भवन परिसर का उद्घाटन एक खुशी का अवसर है, लेकिन इस खुशी के अवसर पर एक शिकायत राजनीतिक गलियारों से होती हुई सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गई। विपक्षी दलों की दलील है कि नया संसद भवन एक इमारत मात्र नहीं है। यह प्राचीन परंपराओं, मूल्यों के साथ ही भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद भी है।वहीं सरकार कहती है कि देश में बढ़ती आबादी के साथ नये लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन होता है तो उसके अनुरूप भविष्य में संसद में अधिक सांसदों के बैठने की जगह होनी चाहिए। ताकि संसद का कार्य सुचारू रूप से चल सके।

अकेले चला चल

चारों ओर अंधकार अग्रसर होकर छाया,
रोशनी मिटाने को उजाला आया,
अज्ञान का खेल देर तक नहीं खेला जाता,
जो बनाता औरों को मूर्ख खुद ही खता खाता,
नहीं अगर आज कोई संगी साथी,
क्षणभंगुर दुनिया में मिलेंगे बाराती,
मन की सही दिशा पर देना बल,
नहीं किसी का साथ तो अकेले चला चल।

डर और फरेब है तो भी मत घबराना,
बनकर सूर्य खूब चमचमाना,
बुराई खुद ही जाएगी सूख,
तपेगा तन लगेगी प्यास और भूख,
दूसरों के मन की बात को भांप लेना,
सुख दे कोई तो सुख ही देना,
बढ़ता चल भले न हो कोई दल,
नहीं किसी का साथ तो अकेले चला चल।

तूफान पाखंड आडंबरों का है घोर,
मानवता को खंडित करने का है शोर,
यह कैसे सपने किसी ने संजोये,
बीज नफरत के किसी ने बोये,
संभल कर कांटों के पथ पर चलना,
छलनी हो पांव उफ तक न करना,
सुखी हो पीढ़ियां जो आएंगी कल,
नहीं किसी का साथ तो अकेले चला चल।

दुश्मनी को जड़ से निकाल भस्म करना,
बाढ़ आने से पूर्व सीखना है तरना,
दावानल की आग को है जरूरी बुझाना,
साम दाम दंड भेद कोई भी अपनाना,
धरती पर शांति की करना स्थापना,
रखना अच्छे प्राणियों से स्नेह की भावना,
नहीं फिर लौटकर आएगा बीता पल,
नहीं किसी का साथ तो अकेले चला चल।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

विपक्ष के पास अब अध्यादेश का मुद्दा

अजीत द्विवेदीविपक्षी पार्टियां एक ऐसे मुद्दे की तलाश में थीं, जो राजनीतिक हो, जिसके पीछे कोई वैचारिक आधार हो, जिससे किसी न किसी रूप में न्यायपालिका का जुड़ाव हो और संविधान की मूल भावना भी जुड़ी हुई हो। दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले का फैसला केंद्र के हाथ में रहे इसके लिए एक प्राधिकरण का गठन करने वाले केंद्र के अध्यादेश ने विपक्ष को वह मुद्दा दे दिया है। विपक्ष इस मुद्दे पर बड़ी राजनीतिक लड़ाई लड़ सकता है तो विधायी और कानूनी लड़ाई भी लड़ी जा सकती है। ध्यान रहे एकजुट विपक्ष इससे पहले सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का मामला लेकर सुप्रीम कोर्ट में गया था लेकिन अदालत ने इस पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उस मामले में विपक्ष कमजोर विकेट पर था। ऐसा लग रहा था कि समूचा विपक्ष भ्रष्टाचार के आरोपों से अपनी रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण में गया है। जनता के बीच भी उस मुद्दे का कोई सकारात्मक असर विपक्ष के लिए नहीं था। अब अध्यादेश के रूप में विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है।अगर विपक्षी पार्टियां साझा प्रयास करती हैं तो इस मुद्दे पर सरकार और भाजपा को उसी तरह से बैकफुट पर ला सकती हैं, जैसे किसानों ने कृषि कानूनों के मसल पर ला दिया था। इसके लिए विपक्ष को इस मुद्दे का दायरा बढ़ाना होगा। यह सिर्फ दिल्ली सरकार तक सीमित रहा तो उसका असर भी सीमित होगा। दायरा बढ़ाने से मतलब है कि जिस तरह से दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामकाज में केंद्र का दखल बढ़ा है उस तरह की स्थितियां कई जगह हैं। महाराष्ट्र को इस मुद्दे के साथ जोड़ा जा सकता है, जहां के तत्कालीन राज्यपाल और विधानसभा स्पीकर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों बेहद तीखी टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं था, जिससे उनको लगे कि उद्धव ठाकरे की सरकार बहुमत खो चुकी है। सर्वोच्च अदालत ने माना कि राज्यपाल की ओर से सदन की बैठक बुलाने और विश्वास मत हासिल करने के लिए कहे जाने की वजह से उद्धव ठाकरे सरकार गिरी थी। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर को लेकर भी कहा था कि उन्होंने विधायक दल को ही पार्टी मान लिया और उसके हिसाब से विधानसभा में व्हिप की नियुक्ति की, जबकि राजनीतिक दल की ओर से नियुक्त व्यक्ति को व्हिप की मान्यता मिलनी चाहिए।महाराष्ट्र के अलावा जम्मू कश्मीर का मुद्दा भी विपक्ष के पास है, जहां पिछले कई सालों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया स्थगित है। केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया, उस पर ज्यादातर विपक्षी पार्टियों को आपत्ति नहीं है। वह संविधान का एक अस्थायी प्रावधान था, जिसे हटा दिया गया। लेकिन कश्मीर का मामला इतना भर नहीं है। केंद्र सरकार ने उसका दर्जा बदल दिया। एक पूर्ण राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया। राज्य में विधानसभा पहले से भंग थी और चुनाव की प्रक्रिया स्थगित थी। ऐसे में जन भावना जानने का कोई साधन केंद्र के पास नहीं था। लेकिन उसने एकतरफा तरीके से एक राज्य का विभाजन कर दिया और उसका दर्जा बदल कर पूर्ण राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। उसके बाद भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने की कोई पहल राज्य में नहीं हो रही है। परिसीमन का काम पूरा हो गया है और नई मतदाता सूची बन चुकी है। इतना ही नहीं मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम भी लगभग हो चुका है। इस गर्मियों में विधानसभा का चुनाव होने की चर्चा थी। लेकिन अभी तक इस बारे में कोई सूचना नहीं है।सो, विपक्षी पार्टियों को दिल्ली सरकार से अधिकार छीनने के लिए लाए गए अध्यादेश को सिर्फ दिल्ली के संदर्भ में देखने की बजाय व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। यह संघवाद की बुनियादी अवधारणा से जुड़ा मामला है। विपक्षी पार्टियों को शिकायत रही है कि केंद्र सरकार कहीं उप राज्यपाल के जरिए तो कहीं राज्यपाल के जरिए और कहीं केंद्रीय एजेंसियों के जरिए विपक्षी पार्टियों की सरकारों के कामकाज में दखल बढ़ा रही है या सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। यह आरोप पश्चिम बंगाल से लेकर बिहार, झारखंड से लेकर तेलंगाना और दिल्ली से लेकर पंजाब तक की सरकारों ने लगाए हैं। इन राज्यों में सत्तारूढ़ दलों ने दूसरी विपक्षी पार्टियों के साथ मिल कर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। उसमें उनको कामयाबी नहीं मिल पाई थी। उनके लिए केंद्र सरकार का अध्यादेश उसी मामले का विस्तार हो सकता है।इसमें कई मामले एक साथ जुड़े हैं। संघवाद, संविधान का बुनियादी ढांचा, न्यायपालिका सब इससे जुड़े हैं। इस मामले में कानूनी लड़ाई अदालत में लड़ी जाएगी और विधायी लड़ाई संसद में। लेकिन एक राजनीतिक लड़ाई भी होगी, जिसकी तैयारी अरविंद केजरीवाल करते दिख रहे हैं। वे इस मसले पर विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर रहे हैं। उनके पक्ष में यह बात जाती है कि सभी विपक्षी पार्टियां इस संकट को अपने संकट के तौर पर देख सकती हैं क्योंकि हर राज्य को ऐसी कोई न कोई शिकायत केंद्र से जरूर रही है।

2000 रुपए का नोट सबक सिखा गया है सरकार को

2000 रुपये के नोट को जारी करने और वापस लेने के फैसले से सबक सीखा जा सकता है। पहला यह है कि निर्णय का उद्देश्य तब खो जाता है जब इसके कारण होने वाली बाधाओं को हल करना मुश्किल होता है। यदि नीति काले धन को बाहर निकालने के लिए थी (जिनमें से कोई भी नहीं मिला) तो उच्च मुद्रा नोट की शुरुआत एक पाठ्यक्रम का विषय है कि काले धन और जमाखोरी को प्रोत्साहित करने के लिए क्या नहीं किया जाना चाहिए बुरी यादों के साथ जीना आसान नहीं होता है। विमुद्रीकरण ऐसी ही यादों में से एक है जो देश के दिलोदिमाग पर सरकार के एक ऐसे कदम के रूप में अंकित है जिसके कारण व्यापक व्यवधान व जनहानि हुई और भारतीय अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि 2000 रुपये के नोट को बंद करने के फैसले से उस खतरनाक विमुद्रीकरण की बदसूरत याद ताजा हो जाती है जिसे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने %संगठित और वैध लूट% कहा था। मोदी सरकार पर यह उनकी सबसे कठोर टिप्पणी थी। हर किसी को पता था कि नोटबंदी का यह भूत फिर सामने आयेगा। 2000 रुपये के नोट को बंद किए जाने से यह सामने आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने नोट की कानूनी वैधता जारी रखने की घोषणा के साथ प्रेस विज्ञप्ति, परिपत्र और इससे संबंधित बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) के जवाबों के साथ इसे खबरों में बनाये रखा। इस डर से कि इस निर्णय को गलत तरीके से समझा जाएगा, यह सावधानी और परिवर्तन जरूरी था। निश्चित रूप से इस बार यह विमुद्रीकरण का मामला नहीं है बल्कि 2000 रुपये के नोट के प्रचलन से योजनाबद्ध वापसी का मामला है जिसके चलते यह नोट वैध मुद्रा बना हुआ है। नागरिकों के पास 30 सितंबर, 2023 तक अपने खातों में नोट जमा करने या बैंक काउंटरों पर अन्य मूल्यवर्ग के नोटों के साथ इन्हें बदलने का समय है। हालांकि एक्सचेंज में थोड़ी कठिनाई है- बैंक शाखाओं के कामकाज में बाधा न पहुंचे इसलिए एक बार में केवल 20,000 रुपये तक के नोट जमा किए जा सकते है। केवाईसी मानदंडों के साथ नोट जमा के लिए कोई सीमा नहीं है। आरबीआई के शब्दों में कहा जाए तो %जनता को होने वाली असुविधा को कम करने, परिचालन सुविधा सुनिश्चित करने तथा बैंक शाखाओं के नियमित कामकाज में व्यवधान से बचने के लिए सभी बैंक एक समय में 20,000 रुपये की सीमा तक 2000 रुपये के नोट बदल सकते हैं।% इसे देखने का एक तरीका यह है कि आरबीआई एक व्यवस्थित विनिमय चाहता है जो विध्वंसक नहीं है। इसका दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय बैंकिंग और शाखा संचालन को भारतीय नोटों के साथ बाधित करना काफी आसान प्रतीत होता है ! अपने अद्वितीय बैंगनी रंग के साथ 2000 रुपये का नोट कम से कम स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे कम समय तक रहने वाले भारतीय मुद्रा नोट के रूप में जाना जाएगा। उच्च मूल्य वर्ग के नोट को वापस लेना सही दिशा में एक कदम है। उच्च मुद्रा नोट को भारतीय प्रणाली से लगभग सभी नकदी के (चलन से) बाहर निकलने के कारण उत्पन्न शून्य को भरने के लिए एक अति साहसिक उपाय के रूप में पेश किया गया था जो देश में तब तक (और अब भी कई हिस्सों में) नकदी के लेन-देन पर रहता है। फिर भी, यह शुरू में ही स्पष्ट हो गया था कि सिस्टम से काले धन को बाहर निकालने का नोटबंदी कार्यक्रम का एक कथित उद्देश्य उच्च मुद्रा नोट के जारी होने के साथ ही विफल हो गया था। जब नोट उच्च मूल्यवर्ग का होता है तो नकदी की जमाखोरी आसान होती है। नतीजतन, नकदी जमा करने के लिए हतोत्साहित करने के लिए यह होना चाहिए कि मुद्रा का बड़ा हिस्सा छोटे मूल्यवर्ग में होना चाहिए। विकसित दुनिया में उच्च मूल्य वर्ग के नोट जारी नहीं किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में फेडरल रिजर्व बोर्ड वर्तमान में 1, 2, 5, 10, 20, 50 और 100 डॉलर के मूल्यवर्ग में बैंक नोट जारी करता है। वहां उच्च मूल्यवर्ग का नोट आखिरी बार 1945 में मुद्रित किया गया था और 1969 में बंद कर दिया गया था। भारत में नोटबंदी की घोषणा 8 नवंबर, 2016 को की गई थी। मार्च, 2017 तक तत्कालीन नए पेश किए गए 2000 रुपये के बैंक नोट का हिस्सा, प्रचलन में रही मुद्रा के कुल मूल्य का 50 प्रतिशत से अधिक था लेकिन बाजार में प्रचलन में मुद्रा की कुल मात्रा का सिर्फ 3.3 फीसदी था। नकदी के भूखे देश की जमाखोरी की तत्काल आवश्यकता को 2000 के नोट ने पूरा किया। हालांकि समय के साथ नोट के सामान्य प्रवाह को एक योजनाबद्ध तरीके से कम कर दिया गया है जिसमें नोटों की संख्या में कमी आई है। 2018-19 में नोटों की छपाई बंद हो गई थी। उच्च वर्ग के नोट की वापसी का यह निर्णय समझदारी और जनहितैषी नीतियों का मामला रहा है। यह सरकार के कुछ अन्य नीतिगत उपायों की अचानक घोषणा के बिल्कुल विपरीत है, खासकर नोटबंदी और लॉकडाउन के संदर्भ में जब कोविड-19 का प्रकोप शुरू ही हुआ था। 2000 रुपये के नोट को जारी करने और वापस लेने के फैसले से सबक सीखा जा सकता है। पहला यह है कि निर्णय का उद्देश्य तब खो जाता है जब इसके कारण होने वाली बाधाओं को हल करना मुश्किल होता है। यदि नीति काले धन को बाहर निकालने के लिए थी (जिनमें से कोई भी नहीं मिला) तो उच्च मुद्रा नोट की शुरुआत एक पाठ्यक्रम का विषय है कि काले धन और जमाखोरी को प्रोत्साहित करने के लिए क्या नहीं किया जाना चाहिए लेकिन इसे केवल तात्कालिक दर्द को कम करने के लिए किया जाना चाहिए था। दूसरा यह कि सरकार यहां लोगों को अप्रत्याशित रूप से पकड़ने के लिए नहीं है। अप्रत्याशित तरीके से पकड़ने की नीति संकट पैदा करेगी। इससे यह लगता है कि लोग विरोधी हैं, अयोग्य और अनिच्छुक हैं या सामूहिक भलाई के लिए सहयोग करने के लिए तैयार नहीं हैं। दूसरा, अप्रत्याशित तरीके से पकड़ने की नीति जनसंख्या के सबसे कमजोर वर्ग पर पड़ने वाले अपेक्षित और अप्रत्याशित गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पर विचार नहीं करती है।बुजुर्ग नागरिक जो सिर्फ सुरक्षा और आपातकालीन जरूरतों के लिए नकदी रखते हैं, जिस मजदूर के पास मुश्किल से नकदी है और परिवार को खिलाने के लिए उसे अपनी दैनिक कमाई पर निर्भर रहना पड़ता है, नई तकनीक के प्रति उदासीन लोग जो डिजिटल भुगतान पर भरोसा नहीं करते हैं, वे सभी नोटबंदी की सख्ती के अनपेक्षित शिकार थे। अचानक लॉकडाउन लगाने के मामले में भी ऐसा ही हुआ। लोगों से अपने घरों से बाहर न निकलने के लिए कहा गया। इस बात की परवाह नहीं की गई कि बड़ी संख्या में लोगों के पास घर नहीं हैं तथा देश की अर्थव्यवस्था प्रवासी मजदूरों पर अत्यधिक निर्भर करती है। प्रवासी श्रमिकों के पास पीने या खाने के लिए कुछ भी नहीं है उनकी जेबें खाली हैं, उनकी रोजंदारी खत्म हो गई है या उनकी मजदूरी नहीं दी गई है। उन्हें घर वापस जाने के लिए पैदल चलना पड़ा था। अच्छी तरह से नियोजित और सोची गई नीति के माध्यम से जो निर्णय होते हैं वे इवेंट क्रिएशन या सुर्खियों के जाल में नहीं फंसते हैं। वे विषय के पक्ष और विपक्ष के मुद्दों पर चर्चा और अच्छी तरह से विचार किए जाने का लाभ भी उठाती है ताकि उनके अंतिम परिणाम बहुत बेहतर हो सकें। सरकार को कोई भी निर्णय लेने के पहले 1948 में गांधी द्वारा दिए गए एक सरल संदेश के बारे में सोचना चाहिए जिसमें उन्होंने उनके गहरे सामाजिक विचारों को व्यक्त किया था -%मैं तुम्हें एक मंत्र दूंगा। जब भी आप संदेह में हों, या जब स्वयं आपके स्वार्थ बहुत अधिक हावी हो जाएं तो निम्नलिखित परीक्षण लागू करें। सबसे गरीब और सबसे कमजोर आदमी या महिला के चेहरे को याद करें जिसे आपने देखा होगा तथा अपने आप से पूछें कि क्या आप जो कदम उठाने का विचार कर रहे हैं वह उसके लिए किसी काम आने वाला है। क्या इससे उसे कुछ हासिल होगा? क्या यह उस व्यक्ति या महिला के अपने जीवन और भाग्य पर नियंत्रण बहाल करने में मदद करेगा? दूसरे शब्दों में, क्या यह भूखे और आध्यात्मिक रूप से भूखे लाखों लोगों के लिए स्वराज (मुक्ति) की ओर ले जाएगा? तब आप पाएंगे कि आपका संदेह और आपका स्वार्थ पिघल जाएगा।

हनु- मैन के निर्देशक प्रशांत वर्मा ने अपने जन्मदिन पर सिनेमैटिक यूनिवर्स के लॉन्च की घोषणा की

भारतीय इन दिनी कुछ ऐसी कहानिया लेकर हैं जिससे हर कोई कनेक्ट कर पा रहा है। और अब कई फिल्म निर्माता यह बताने के लिए कहानियों की एक दिलचस्प श्रृंखला बना रहे हैं यूनिवर्स और स्पाई और स्पाई यूनिवर्स ऐसी कहानियों पर पहले से ही काम कर रहे हैं। अब निर्देशक प्रशांत वर्मा लार्जर देन लाइफ यूनिवर्स को दर्शकों के समक्ष लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जो ज्यादातर हमारे भारतीय सुपरहीरो से प्रेरित होंगे। इस यूनिवर्स के अंतर्गत सबसे पहला प्रोजेक्ट होगा हनु- मैन, जिसका टीचर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) के तहत हनु- मैन पहला इन्स्टालमेन्ट 2023 में रिलीज होगी।

हनु- मैन के बाद अगला प्रोजेक्ट होगा अधीरा होगी जो अगले साल रिलीज होगी। जैसा कि प्रशांत ने जीवन में आने वाले अपने अभिनव और काल्पनिक सपने की घोषणा की, उन्होंने साझा किया, मैं हमेशा दुनिया भर में देखे जाने वाले अद्भुत सुपरहीरो यूनिवर्स से बहुत प्रेरित रहा हूं, और मैं हमेशा से भारत में कुछ ऐसा ही करना चाहता था इसलिए हमने हनु-मान बनाया, और घोषणा के साथ मैं भारत को अपने समृद्ध इतिहास, पौराणिक कथाओं और संस्कृति की अद्भुत कहानियों के साथ आनंद लेने के लिए एक यूनिवर्स देने का सपना साझा करता हूं। मुझे उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे और मैं इस तरह की और कहानियों से उनका मनोरंजन करता रहूंगा। सबसे अच्छी बात यह है कि इसकी जड़ें भारत में हैं। हां, प्रशांत न केवल भारतीय विरासत की कहानियों को बताने की योजना बना रहे हैं बल्कि भारतीय अभिनेता ही इन भूमिकाओं को निभाएंगे । प्रशांत न केवल समान विचारधारा वाले व्यक्तियों को एक साथ लाएंगे, बल्कि वह एक समुदाय भी बनाएंगे जो इन लोगों को अपनी कहानियाँ साझा करने की अनुमति देगा।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ सह संयुक्त मोर्चा द्वारा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सम्मान समारोह एवं आगामी संयुक्त आंदोलन परिचर्चा मीटिंग हुई संपन्न

गत दिनांक 28 मई 2023 को लक्ष्मी पैलेस पंजाबी बाग कॉलोनी सबलगढ़ मैं नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री दर्शन लाल जाटव जी का सम्मान समारोह रखा गया। जिसमें सम्मान समारोह के साथ-साथ अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों को दृष्टिगत रखते हुए उनके सफल प्रयोजन हेतु क्या प्रयास किए जाएं इस पर सभी शिक्षक साथियों ने अपने-अपने मत रखे , कार्यक्रम में विभिन्न ब्लॉकों से आए हुए पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने ब्लॉकों में अपने अधिकारों की लड़ाई को तीव्र करने हेतु हर संभव प्रयास कर आदरणीय जिला अध्यक्ष महोदय का साथ देने की बात कही। उक्त कार्यक्रम के दौरान मुख्यतः पुरानी पेंशन बहाली, क्रमोन्नति- पदोन्नति, प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता आदि मुख्य बिंदुओं पर चर्चाएं हुई एवं शीर्ष नेतृत्व कर्ता के दिशा निर्देशों के अनुपालन मैं पूर्ण तैयारी रखने पर विचार मंथन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्न शिक्षक साथियों ने सहभागता ली मोहनलाल तिवारी तहसील अध्यक्ष सबलगढ़, उत्तमसिंह रावत, लोकेंद्रसिंह यादव, सतेन्द्र सिंह जादौन, हेमराज सिंह धाकड़, अशोक धाकड़ ब्लॉक अध्यक्ष पहारगढ़ , रामनरेश धाकड़ ब्लॉक अध्यक्ष कैलारस, वीरेंद्र कुमार धाकड़, दिलीप कुमार रावत, कलुआ राम गौड़, हंसराम सिंह गुर्जर, वीरेंद्र धाकड़, माखनलाल जाटव, सरवन लाल केमोर, मांगीलाल जाटव, मुनेश कुमार पचोरिया, दिनेश कुमार माहोर, सुबराती खान, रूपसिंह जाटव, रामनिवास सिंह मीणा, दिनेशसिंह रावत, रामबरन रावत शिवसिंह जाटव प्रान सिंह रावत आदि शिक्षक साथी उपस्थित हुए ।

पूरे परिवार को एक सूत्र में बांध कर रखती है, महालक्ष्मी पथ

29 मई ई2023,नवी मुम्बई के सी -वुड ग्राउंड सेन्ट्रल माल में सहजयोग पर आधारित इमैकुलेट आइडियल ह्यूमन फाउंडेशन के बैनर तले बनी प्रोड्यूसर श्री संजय रोशन तलवार द्वारा निर्मित फिल्म महालक्ष्मी पथ का अखिल भारतीय प्रीमियर हुआ, जिसमें देश विदेश से पधारे 245 सहजी भाई--बहनों ने फिल्म की भूरि-भूरि प्रशंसा के साथ कर्तल ध्वनि से सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस फिल्म की कहानी अपर्णा गंगोपाध्याय द्वारा लिखित है, जो सहजयोग द्वारा जीवन में आए परिवर्तन को प्रदर्शित करती है। इस फिल्म का निर्देशन एंव एडीटिंग श्री प्रशांत नाईक जी द्वारा किया गया है। तथा इसका संगीत ?श्री धनंजय धूमाल द्वारा दिया गया है व गीतों को अपनी सुमधुर आवाज से सजाया है कविता कृष्णमूर्ति जी व संजय तलवार जी ने, स्क्रीन प्ले कुलदीप शर्मा द्वारा रचित,तथा राजेश परमार के नेतृत्व में किया गया है। इस अवसर पर श्री संजय तलवार जी ने अपने 40 वर्ष के सहजयोग के अनुभव को साझा करते हुए श्री माताजी के इस संदेश का वर्णन किया कि कैसे श्री माताजी ने सहजयोग की जागृति को फिल्म के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्हें प्रेरित किया था। इसी क्रम में संजय जी के द्वारा पहली फिल्म गृह लक्ष्मी का निर्माण किया गया था। जिसे काफी सराहना मिली थी। महालक्ष्मी पथ इसी क्रम में उनकी दूसरी फिल्म है। देशभर के सिनेमाघरों में इस फिल्म का प्रदर्शन श्री ओ पी गोयल जी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। नासिक से श्री वसंत काले,(वरुड) से श्री निर्मल यावलेकर,राम नका, (पूना)श्री गोपी नायर,दीपक गुप्ता (कल्याण) से शिवाजी काले,(लोणी) से श्री विजय जाधव (मुम्बई) से शुभम गौतम (दिल्ली)ने फिल्म को देखकर काफी सराहा है। फिल्म को देखकर भारत भूषण अम्बाला ने कहा कि यह फिल्म घर घर की कहानी है। नचिकेत पुणे ने कहा आज के इस आपाधापी के दौर में ऐसी फिल्में देखने को नहीं मिलती हैं। निशांत पाराशर ने कहा कि यह फिल्म एक परिवार को अच्छे माहौल में बांधकर रखती है। रमा विजयवर्गी, इंदौर ने कहा कि यह फिल्म एक सा? और स्वच्छ फिल्म तो है ही किन्तु आज के इस दौर में युवा पीढ़ी पर बुरी संगत का जो असर पड़ रहा है उससे युवा पीढ़ी गलत रास्ते पर जाकर अपना जीवन बर्बाद कर रही है। यह उनको सही दिशा देने वाली, युवाओं को प्रेरणा देने वाली फिल्म है। किस प्रकार सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात् नियमित ध्यान धारणा द्वारा भटके हुए युवाओं को सही दिशा व आनंदमय जीवन प्राप्त होता है यह इस फिल्म में प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन श्री ओ पी गोयल जी द्वारा किया गया तथा श्री श्याम कृपलानी जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कांग्रेस नेता फूल सिंह बरैया का भव्य स्वागत

भिंड। प्रथम नगर आगमन पर कांग्रेस नेता फूल सिंह बरैया जी का चंबल संभाग का प्रभारी बनाए जाने पर प्रथम नगर आगमन पर उनका फूल माला से स्वागत किया गया। बरैया जी के साथ कांग्रेस के पूर्व विधायक हेमंत कटारे का एनएसयूआई छात्र नेता आयुष मिश्रा के नेतृत्व में चंबल संभाग प्रभारी फूल सिंह बरैया बनाए जाने पर एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष अजय दुबे एवं युवा कांग्रेश जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत किया।

हर हर महादेव

आप सभी सनातन प्रेमी सनातन विचारधाराओं को मजबूती प्रदान पर करने के लिए इस संगठन से जुड़ कर संगठन को मजबूत करें और अपनी ऋषि परंपरा को आगे बढ़ाएं। क्योंकि हम सब हिंदू हैं । राम कृष्ण जी हमारे आदर्श सिया राम मैं सब जग जानी करो प्रणाम जोर जुग पानी। जय भारत जय सनातन धर्म

राष्ट्रीय अध्यक्ष
वीरेंद्र महाराज जी 9453 43 67 85
जय भोले सेवा समिति भारतवर्ष

पदों पर फर्जी नियुक्ति प्रकरण में जांच नहीं हो पा रही

रकारी प्रधानाचार्य भारत स्काउट गाइड प्राइवेट एनजीओ उच्च पदों पर आसीन अपनी मनमानी करते हुए फर्जी नियुक्ति पत्रों के सहारे सरकारी सुविधाओं के साथ उन्हीं को प्रशिक्षण में भेजने की फिराक में ऑल ह्यूमंस सेव एंड फॉरेंसिक फाउंडेशन की डिस्टिक वूमेन चीफ शिवानी जैन एडवोकेट ने बताया कि भारत स्काउट और गाइड जिला अलीगढ़ में जिला संगठन आयुक्त एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त पदों पर फर्जी नियुक्ति प्रकरण में जांच नहीं हो पा रही है क्योंकि सभी सरकारी प्रधानाचार्य अपनी अपनी मनमानी कर रहे हैं। झूठे तथ्यों के सहारे, फर्जी नियुक्ति पत्रों के सहारे सरकारी सुविधाओं के साथ पहले भी प्रशिक्षण प्राइवेट एनजीओ भारत स्काउट और गाइड का प्राप्त करके आए। हास्यप्रद यह है कि फिर उन्हीं को प्रशिक्षण में भेजने की तैयारीयां की जा रही हैं।

मगर डॉ कंचन जैन सीनियर एचडब्ल्यूबी ,रियूनियन कोर्स, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बावजूद प्री ए एल टी प्रशिक्षण के लिए वर्षों से अनुमति नहीं दी जा रही है। दिनांक 2 दिसंबर 2021 से अब तक हजारों पत्र लिखे जा चुके हैं। सरकारी प्रधानाचार्यों जो कि भारत स्काउट और गाइड के उच्च पदों पर है उन्होंने प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ की पत्रांक संख्या सीजी-76/17/2007-08 दिनांक 12-9-2007 की धज्जियां उड़ाते हुए डॉ शुभिका प्रधानाचार्य राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई को जिला संगठन आयुक्त गाइड पद पर नियुक्त कर दिया।

क्योंकि यह पद पूर्णकालिक है और मानदेय भी है। प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ की पत्रांक संख्या सीजी- 109/114/970/2021-22 दिनांक 2 दिसंबर 2021 एवं राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली के नियम 115 और 117 के विरुद्ध उपरोक्त पद पर नियुक्ति जोकि प्रादेशिक मुख्य आयुक्त के हस्ताक्षर से होनी चाहिए उस नियुक्ति पत्र पर जिला सचिव प्रधानाचार्य तलेसरा इंटर कॉलेज तलेसरा श्री डालेश कांकरान जी ने कर दिए। उसी फर्जी नियुक्ति पत्र के सहारे सरकारी सुविधाओं के साथ कार्य कर रही हैं। जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड श्रीमती ज्योति भार्गव प्रवक्ता महेश्वर इंटर कॉलेज अलीगढ़ की कम योग्यता होते हुए(एडवांस कोर्स किए हुए) को नियुक्त जिला सचिव अलीगढ़ ने ही कर दिया। इसी फर्जी नियुक्ति के सहारे यह भी कार्य कर रही है। शिवानी जैन एडवोकेट ने मांग की फर्जी नियुक्ति प्रकरण प्रकरण की जब तक रिपोर्ट नहीं आती तब तक किसी को भी प्रशिक्षण पर नहीं भेजा जाना चाहिए। और यदि भेजा जाना है तो सभी को भेजा जाना चाहिए। सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ श्रीमती नेहा कटियार भी फर्जी नियुक्ति पत्र वालों का साथ दे रही है। जबकि प्रादेशिक मुख्यालय के आदेश भी स्पष्ट है। और फर्जी नियुक्ति पत्र भी स्पष्ट है। प्रकाशित आदेश पत्र एवं फर्जी नियुक्ति पत्र को भी देखें।

अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में हंसडीहा चेकपोस्ट पर चलाया गया सघन वाहन जांच अभियान

दुमका/झारखण्ड। रविवार की शाम हंसडीहा चेक पोस्ट पर सघनवाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान संबंधित खनन चलान एवं क्षमता से अधिक लोड की जांच की गई7अभियान में अनुमंडल पदाधिकारी दुमका कौशल कुमार,एसडीपीओ शिवेंद्र ठाकुर, सरैयाहाट प्रखंड विकास पदाधिकारी दयानन्द जायसवाल एवं हंसडीहा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह दल बल के साथ शामिल थे7चेक पोस्ट पर तैनात मजिस्ट्रेट को विलंब से आने के कारण वरीय पदाधिकारी के द्वारा डांट फटकार लगायी गई साथ ही माइनिंग संबंधित दस्तावेज व परिवहन संबंधित दस्तावेज की जांच कर अनुमंडल पदाधिकारी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि माइनिंग और परिवहन संबंधित किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी दोषी पाए जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि उपायुक्त ने दो दिन पहले ही सभी पदाधिकारियों व थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि चेकपोस्टों पर सघन जांच अभियान चलाकर अवैध परिवहन पर अंकुश लगाएं।

एसडीएम ने किया गौठान का निरीक्षण बोले; अधूरे काम जल्द ही पूरा करें

नए एस .डी .एम .वाशु जैन ने कोटा विकासखंड के शिवतराई में नरवा, गरुवा, घुरवा, बाड़ी योजना में निर्मित गौठान एवं चारागाह का निरीक्षण किया। उन्होंने स्व सहायता समूह के महिलाओं के लिए बने शेड को भी देखा। उसके और अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। शिवतराई में निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम ने गौठान में निर्मित पानी टंकी, कोटना,चारागाह तथा पशुओं के लिए बने शेड चबूतरा निर्माण का निरीक्षण किया एसडीएम कोटा ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में मवेशियों को गौठान में लाने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने गोठान संचालित समिति के सदस्यों से मवेशियों को अच्छे से देखभाल करने के निर्देश दिए। गौठानों में मवेशियों के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था एवं गौठानों में फलदार पौधे लगाने के निर्देश दिए। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर पियूश तिवारी, प्रांजल मिश्रा तहसीलदार, नायाब तहसीलदार मेडम ,जनपद के कमर्चारी ग्रामीण उपस्थित थे।

जावरा तहसील के गांव वीरपुरा में पागल कुत्तों ने बंदर पर किया हमला मौके पर बंदर की हुई मौत

वीरपुरा गांव की घटना। कुत्ते ने बंदर पर करा हमला बंदर की हो गई मौत

गांव और शहरों में एक तरफ लोग बंदरों के आतंक से त्रस्त हैं। उन्हें पकड़ने के लिए संबंधित विभागों में फोन खटखटाते हैं। दूसरी तरफ बड़ावदा के पास एक गांव ऐसा भी है, जहां बंदर की मौत के बाद पूरे रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार किया गया। पिछली बार भी। ऐसा ही हादसा हुआ था जो । फोरव्हीलर की टक्कर से बंदर की हो गई थी मौत तब भी सहयोग करा था गुरु बैरागी ने और आज भी धर्म के कार्य में अपना हाथ बटा रहे है ऐसे ही समस्त गांव के लोगों ने सहयोग करा और दी श्रद्धांजलि।

236वें दिन जारी रहा महापड़ाव शिवसेना ने किया समर्थन

रीवा। सुअर पशु पालकों को मृत सुअरो का मुआवजा दिलाए जाने के थ-साथ पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुखो के खिलाफ कार्यवाही किये जाने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की अगुवाई पर बसोर समाज का कलेक्ट्रेट रीवा के समक्ष महापड़ाव 236वें दिन रहा जारी मोर्चा के संयोजक शिव सिंह ने कहा बताया कि आंदोलन के समर्थन में जिला इकाई शिवसेना के पदाधिकारी शामिल होकर धरने में रहे समर्थन करने वालों में जिला प्रमुख श्री कृष्ण गुप्ता उप प्रमुख विजय कुशवाहा अमन शुक्ला दिनेश गुप्ता मोहित तिवारी आदि शामिल रहे श्री कृष्ण गुप्ता ने कहा आंदोलनकारियों की मांगे जायज है हमारी पार्टी समर्थन करती है आगे भी करेंगे महापड़ाव में समाज के प्रमुख प्रदीप बसोर शकोचिल प्रसाद बसोर राजाराम उर्फ राजा बसोर बाबूलाल बंसल पार्षद शंकरलाल मलखान बंसल गीता सुरेंद आदि आंदोलनकारी उपस्थित रहे आंदोलन में मोर्चा के नेता इंद्रजीत सिंह संखू विश्वनाथ चोटीवाला रामनरेश सिंह सचिन सिंह शामिल हुए महापड़ाव स्थल पर लगातार लंगर जारी है ।

रेसलर्स विवाद में हरियाणा में किसानों की धरपकड़

महापंचायत के लिए दिल्ली जा रही महिलाएं हिरासत में, टिकरी बॉर्डर सील करने की तैयारी

पानीपत। पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन के समर्थन में नई दिल्ली जा रहीं महिलाओं की महापंचायत से हरियाणा में शनिवार रात पुलिस ने एक्शन लिया। यहां दिल्ली जा रही महिलाओं और किसानों की धरपकड़ शुरू कर दी। पंजाब से दिल्ली जा रहा महिलाओं का एक जत्था शाम को जब अंबाला के मंजी साहिब गुरुद्वारे में पहुंचा तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। गुरुद्वारे के गेट पर भी पुलिस जवान तैनात हैं। इस बीच पुलिस दिल्ली की सीमाओं को सील करने में जुट गई है। देर रात बहादुरगढ़ सीमा पर टिकरी बॉर्डर पर बड़े-बड़े सीमेंट के पत्थर लाए लाए गए। रास्ते को संकरा करके 15 फीट कर दिया गया है। इसे पूरी तरह बंद किया जा सकता है। ताकि किसान आंदोलन की तर्ज पर पहलवानों के समर्थन में जाने वाले किसान न पहुंच सकें। पानीपत, सिवाह, समालखा, जौरासी, शहर मालपुर गांवों के लोग निजी गाड़ियों में सवार होकर लिंक रोड से दिल्ली की ओर निकले हैं। उधर, पुलिस भी हरियाणा से दिल्ली जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही है। इस बीच पहलवानों ने जंतर-मंतर पर शनिवार रात 9 बजे इमरजेंसी प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई, लेकिन पुलिस ने इससे पहले ही पत्रकारों को जंतर-मंतर से खदेड़ दिया। पहलवानों का दावा है कि पुलिस पत्रकारों को उन तक नहीं पहुंचने दे रही। उधर, किसान नेता राकेश टिकैत ने वीडियो जारी कर कहा कि महिला महापंचायत में जाने से रोकने के लिए पुलिस ने उनके कार्यकर्ताओं के पीछे फोर्स लगा दी है। उन्होंने अल्टीमेटम दिया कि अगर रात 10 बजे तक पुलिस फोर्स नहीं हटाई गई तो वह 11 बजे दोबारा लाइव होकर कार्यकर्ताओं से ट्रैक्टर

लेकर दिल्ली निकलने को कहने को मजबूर हो जाएंगे। हिसार के किसान नेता रणवीर मलिक ने बताया कि 9 बजे पहलवानों ने प्रेस वार्ता बुलाई है। सभी साथियों को उस पर नजर बनाए रखना है। अगर इसमें कोई फैसला हुआ तो उसके बाद की रविवार को होने वाली महिला महापंचायत को लेकर दिल्ली जाने की रणनीति बनाई जाएगी। जंतर-मंतर पर महीनेभर से बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना दे रहे पहलवानों के पक्ष में रविवार को दिल्ली में नई संसद भवन के सामने महिला महापंचायत होनी है। इसके लिए पंजाब-हरियाणा से बड़ी संख्या में किसानों के जत्थे दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे हैं। शनिवार को मामले की स्टेटस रिपोर्ट लेकर दिल्ली पुलिस राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची। यहां दिल्ली पुलिस ने बताया कि पीड़ितों के धारा 164 के तहत बयान दर्ज किए गए हैं। अब मामले की सुनवाई 27 जून को होगी। इससे पहले योग गुरु बाबा रामदेव का गुस्सा बृजभूषण पर फूटा। राजस्थान के भीलवाड़ा में बाबा रामदेव ने बिना नाम लिए कहा कि कुश्ती संघ का मुखिया रोज बहन-बेटियों के बारे में बकवास करता है। उसे तुरंत अरेस्ट करना चाहिए। वहीं दंगल गर्ल व भाजपा नेता बबीता फोगाट ने पहलवानों के धरने को लेकर सवाल उठाए हैं। बबीता फोगाट ने ट्वीट कर हरियाणा के किसान नेता गुरनाम चढ़ूनी को आंदोलनजीवी करार देते हुए अगुआई पर सवाल खड़े किए हैं। यूपी के आगरा में भी भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता को नजरबंद कर लिया गया है। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि कल दिल्ली जाने से पहले ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस उनके कार्यकर्ताओं के घर पहुंच रही है। कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है। टिकैत ने चेतावनी दी है कि अगर रात तक पुलिस नहीं हटाई गई तो वह 11 बजे फेसबुक पर लाइव आएंगे। अगर पुलिस नहीं हटी तो किसान ट्रैक्टर से अपने घरों से निकलेंगे और फिर जल्द ही वापस नहीं लौटेंगे।

शॉटगन विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहे ट्रैप निशानेबाज भवनीश

अलमाटी। पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुके भारतीय निशानेबाज भवनीश मेंदीरत्ता को शनिवार को यहां आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की ट्रैप स्पर्धा के फाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और आखिर में वह पांचवें स्थान पर रहे। फरीदाबाद के रहने वाले 23 वर्षीय भवनीश शुक्रवार को क्वालिफिकेशन के पहले तीन दौर में 75 में से 73 अंक बनाकर चार अन्य निशानेबाजों के साथ संयुक्त बढ़त पर थे। उन्होंने शनिवार को अगले दो दौर में 24 का सामान स्कोर बनाया। भवनीश ने इस तरह से दो दिन में 125 में से 121 अंक बनाकर संयुक्त चौथे स्थान पर रहकर छह खिलाडि़यों के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में हालांकि यह भारतीय निशानेबाज अच्छा

प्रदर्शन नहीं कर पाया। वह 30 में से 24 अंक बनाकर बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। इटली के निशानेबाज निशानेबाज और दो बार के विश्व चैंपियन फैब्रीज़ी मास्सिमो ने ऑस्ट्रेलिया के 27 वर्षीय विश्व चैंपियन जेम्स विलेट को हराकर स्वर्ण पदक जीता। कुवैत के निशानेबाज खालिद अल्मुधाफ ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत के दो अन्य निशानेबाज जोरावर सिंह संधू और पृथ्वीराज टोंडाइमल ने समान 117 का स्कोर बनाया और वह क्रमश- 16वें और 17वें स्थान पर रहे। महिला ट्रैप में श्रेयसी सिंह 114 के स्कोर के साथ 10वें, मनीषा कीर 109 अंक के साथ 19वें और प्रीति रजक 98 अंक के साथ 32वें स्थान पर रहीं। भारत ने अभी तक इस प्रतियोगिता में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता है। उसने यह दोनों पदक महिला स्कीट में जीते। इस बीच भारत के विदेशी ट्रैप कोच और ओलंपिक चैंपियन रसेल मार्क ने अनुबंध संबंधी मसलों के कारण त्यागपत्र दे दिया है। अटलांटा ओलंपिक 1996 में डबल ट्रैप में स्वर्ण पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलियाई निशानेबाज मार्क के करीबी सूत्रों ने बताया कि 28 मई उनका भारतीय टीम के साथ अंतिम दिन होगा।

दीक्षा बेल्जियन ओपन में दूसरे स्थान पर

एंटवर्प। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच अंडर 67 का कार्ड खेला जिससे वह बेल्जियन लेडीज ओपन में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। लेडीज यूरोपियन टूर का खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी दीक्षा ने पहले दौर में 71 का कार्ड खेला था। इस तरह से अब उनका कुल स्कोर छह अंडर पर है। वह शीर्ष पर चल रही मारिया हर्नांडिज से दो शॉट पीछे हैं। दीक्षा ने

जहां शानदार खेल दिखाया वहीं अन्य भारतीयों को संघर्ष करना पड़ा। पहले दौर में 72 का कार्ड खेलने वाली अमनदीप द्राल ने दूसरे दौर में पहले सात होल में इवन पार का स्कोर बनाया जबकि वाणी कपूर छह होल के बाद दो ओवर पर हैं। सेहर अटवाल और त्वेसा मलिक का कट से चूकना तय है।

शुभंकर शर्मा ने केएलम ओपन के कट में जगह बनाई

क्रॉम्वॉयर्ट। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने केएलएम ओपन के दूसरे दौर में अच्छी शुरुआत के बावजूद दो ओवर 74 स्कोर बनाया, लेकिन वह कट में जगह बनाने में सफल रहे। शुभंकर ने पहले दौर में 67 का स्कोर बनाया था जिससे वह संयुक्त पांचवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दौर के लचर प्रदर्शन के कारण वह संयुक्त 23वें स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के ही एक अन्य खिलाड़ी मनु गंडास हालांकि दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। पहले दौर में 71 का कार्ड खेलने वाले गंडास ने दूसरे दौर में निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए 79 का कार्ड खेला।

जेहान दारुवाला ने मोनाको में फॉर्मूला 2 स्प्रिंट रेस में दूसरा स्थान हासिल किया

मोनाको। भारत के जेहान दारुवाला ने शनिवार को फॉर्मूला 2 चैंपियनशिप की स्प्रिंट रेस में कड़ी चुनौती से पार पाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह पिछले दो वर्षों में दूसरा अवसर है जबकि उन्होंने मोनाको में पोडियम में जगह बनाई। नीदरलैंड की टीम एमपी मोटरस्पोर्ट

की तरफ से भाग ले रहे जेहान जापान के रेसर आयुमु इवासा के बाद दूसरे स्थान पर रहे। जेहान ने इस 30 लैप की रेस में जापानी खिलाड़ी को कड़ी चुनौती दी लेकिन अंतिम क्षणों में वह उनसे पिछड़ गए। यह भारतीय रेसर पिछले साल भी मोनाको चरण की स्प्रिंट रेस में दूसरे स्थान पर रहा था।

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल फाइनल के लिए बेहतर तैयार: फ्लेमिंग

अहमदाबाद। चेन्नई सुपरकिंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ आज यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के लिए पूर्व की तुलना में बेहतर तैयार है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम किसी भी परिस्थिति में खेलने के लिए तैयार रहेगी तथा अतीत में उन्होंने परिस्थितियों और पिचों का आकलन करने में गलती की थी। रविवार को फाइनल के दिन बारिश की संभावना जताई गई है। फ्लेमिंग ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमने चेन्नई के लिए

खुद को इतनी अच्छी तरह से तैयार किया कि कुछ अवसरों पर हमें विरोधी टीम के मैदानों पर जूझना पड़ा। इसलिए फाइनल में थोड़ी चुनौती होगी लेकिन फाइनल में जीत दर्ज करने का हमारा रिकॉर्ड 50 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, हमें फाइनल में किस तरह की परिस्थितियां मिलेंगी हम इसको लेकर चिंतित नहीं हैं। दो पिच में से किसी एक का चयन किया जाएगा लेकिन हम चिंतित नहीं हैं। हम अतीत की तुलना में इस बार फाइनल के लिए बेहतर तैयार हैं। इस बीच गुजरात टाइटंस के टीम निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों की अच्छी समझ होने से उनकी टीम को फायदा मिलेगा। सोलंकी ने कहा, हमने यहां कई मैच खेले हैं और इस मामले में हम निश्चित तौर पर बेहतर स्थिति में है। हमने पिछले साल यहां फाइनल खेला था और बड़े मैचों में सफल रहे हैं।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप-2023 फाइनल के लिए इंग्लैंड जाएंगे यशस्वी

बीसीसीआई ने रेड बॉल से प्रैक्टिस करने के लिए कहा; बतौर स्टैंड-बाय ओपनर गायकवाड को करेंगे रिप्लेस

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 (ढ्ढक्क) में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान रॉयल्स (क्रक्र) के स्टार ओपनर यशस्वी जायसवाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 (ङ्खञ्जष्ट) फाइनल के लिए इंग्लैंड जाएंगे। जायसवाल बतौर स्टैंड-बाय प्लेयर टीम इंडिया में ऋतुराज गायकवाड की जगह लेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (क्चष्टष्टढ्ढ) के एक अधिकारी ने बताया कि गायकवाड अगले महीने कि शुरुआत में शादी कर रहें हैं, जिसकी वजह से वो ङ्खञ्जष्ट फाइनल के लिए इंग्लैंड नहीं जा पाएंगे। ऐसे में यशस्वी को उनकी जगह चुना गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, क्चष्टष्टढ्ढ ने यशस्वी को रेड बॉल से प्रैक्टिस करने के लिए कहा

है। उनके पास पहले से ही च्य का वीसा है, इसलिए वो कुछ दिनों में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। क्चष्टष्टढ्ढ ने शुरू में ऋतुराज गायकवाड के अलावा मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव को भी ङ्खञ्जष्ट के स्टैंड-बाय प्लेयर्स के रूप में रखा है। क्चष्टष्टढ्ढ अधिकारी ने बताया, %जायसवाल टीम इंडिया को ज्वॉइन करेंगे क्योंकि गायकवाड ने बता दिया है कि अपने शादी की वजह से वो इंग्लैंड समय पर नहीं जा पाएंगे। वो 5 जून के बाद ही वहां पर पहुंच पाएंगे, लेकिन कोच राहुल द्रविड़ ने सेलेक्टर्स से रिप्लेसमेंट की मांग की थी। इसके बाद जायसवाल को चुना गया और वो जल्द ही इंग्लैंड रवाना होंगे। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में यशस्वी जायसवाल ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। 14 मैचों में जायसवाल ने 48 के औसत और 164 के स्ट्राइक रेट से 625 रन बनाए। राजस्थान के ओपनर यशस्वी जयसवाल 13 ही गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी कर ढ्ढक्क में तेजी से फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। 21 साल के यशस्वी जायसवाल आईपीएल के 16वें सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाजों में शामिल हैं। टीम इंडिया = रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, ईशान किशन (विकेटकीपर)।

भारत ने जूनियर एशिया कप में पाकिस्तान से मैच 1-1 से ड्रॉ खेला

सलालाह। भारत ने पूल ए का अपना तीसरा मैच चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और इस तरह से पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान जारी रखा। शारदानंद तिवारी ने शनिवार की रात को खेले गए मैच में 24वें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई लेकिन बशारत अली ने 44वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से बराबरी का गोल दाग दिया। यह मैच ड्रॉ समाप्त होने से भारत के अब तीन मैचों में सात अंक हो गए हैं और वह पूल ए में दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान के भी सात अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर बेहतर होने के कारण पहले स्थान पर है। जापान तीन मैचों में छह अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने शनिवार को चीनी ताइपे को 10-1 से पराजित किया था। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारत ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाकर अपनी विरोधी टीम को दबाव में रखा। भारत को शुरू में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा पाया। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी कुछ मौके बनाए और वह पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने की स्थिति में भी पहुंच गया था लेकिन भारतीय गोलकीपर अमनदीप लाकड़ा ने बेहतरीन बचाव करके उसका यह प्रयास नाकाम कर दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, 28 मई। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को एडिलेड में अपने दौरे के पांचवें और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया %ए' के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। भारत के लिए नवनीत कौर (10वें) और दीप ग्रेस एक्का (25वें) ने गोल किए, वहीं, ऑस्ट्रेलिया %ए' के लिए एकमात्र गोल अबीगैल विल्सन (22%) ने किया।पिछला मुकाबला 3-2 से जीतने के बाद, ऑस्ट्रेलिया %ए' ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की,दूसरी तरफ गुरजीत कौर भारतीय महिला हॉकी टीम के डिफेंस में सतर्क रहीं और विपक्षी टीम को सर्कल के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। तीन त्वरित पेनल्टी कार्नर अर्जित करते हुए, भारत ने %ऑस्ट्रेलिया ए' के डिफेंस पर दबाव बनाया और नवनीत कौर (10%) ने रिवर्स हिट के साथ पहला गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। ऑस्ट्रेलिया %ए' ने दूसरे क्वार्टर के मध्य में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, और एबिगेल विल्सन (22%) ने ड्रैगफ्लिक के साथ गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया, हालांकि कुछ ही मिनट बाद, दीप ग्रेस एक्का (25%) ने पेनल्टी कार्नर पर अपनी ड्रैगफ्लिक से गोल कर भारत को फिर से बढ़त दिला दी। अंतिम सिटी बजने तक यही स्कोर रहा और अंत में भारत ने 2-1 से मैच जीत लिया।

इतिहास रचने के करीब एच एस प्रणय

मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीनी शटलर से मुकाबला, भारत के पहले मेंस सिंगल्स चैंपियन बन सकते है

कुआला लम्पुर। भारत के स्टार शटलर एच एस प्रणय के पास आज इतिहास रचने का मौका है। प्रणय कुआला लम्पुर में खेले जा रहे क्चङ्खस्न वर्ल्ड टूर सुपर 500 बैंडमिंटन मलेशिया मास्टर्स चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेंगे। उनका मुकाबला चीन के वेंग होंगयांग के खिलाफ होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक भारत को विमेंस सिंगल्स के अलावा किसी भी कैटेगरी में जीत हासिल नहीं हुई है। अगर प्रणय जीतते है तो वह मेंस सिंगल्स केटेगरी जीतने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। वर्ल्ड रैंकिंग में नौवें स्थान के प्रणय पिछले साल स्विस ओपन में रनर अप रहने के बाद सीजन का यह दूसरा फाइनल खेलेंगे। मुकाबला दोपहर 12=30 बजे से खेला जाएगा। भारत को चैंपियनशिप में में अब तक 3 बार ही जीत मिली है। तीनों बार विमेंस सिंगल्स में ही गोल्ड आया है। 2 बार पीवी सिंधु और एक बार सेना नेहवाल ने

चैंपियनशिप में जीत हासिल की। प्रणय ने शनिवार को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के क्रिस्टियन अदीनाता के खिलाफ वॉकओवर मिला। मैच के दौरान एडिनाटा के घुटने में चोट आ गई। पहले सेट के दौरान प्रणय 19-17 से आगे चल रहे थे। इस दौरान एडिनाटा का बाएं घुटना मुड़ गया और उनके घुटने में चोट आ गई। भारत के एचएस प्रणय मलेशिया में जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दुनिया के नंबर 6 चाउ टीएन चेन, मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग और मैड्रिड मास्टर्स 2023 के विजेता केंटा निशिमोतो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु सेमीफाइनल में हार गईं। शनिवार को विमेंस सिंगल्स के मुकाबले में उन्हें दो सेट में लगातार हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिसाका ने पहले सेट में 14-21 से हराया और फिर दूसरे सेट में 17-21 से शिकस्त दी। इसके साथ ही लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ को क्रमश राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल्स और राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा। मलेशिया मास्टर्स में दुनियाभर के 84 शटलर्स ने हिस्सा लिया था। वहीं, इसमें 108 डबल्स टीमें भी शामिल थी। मलेशिया मास्टर्स की शुरुआत 2009 में हुई थी और तब से यह हर साल मलेशिया के अलग-अलग वेन्यू पर खेला जाता है।

आमिर खान बेटी की उम्र की फातिमा सना शेख के साथ शादी करने जा रहे हैं

फिल्म सितारों को लेकर सोशल मीडिया पर आए दिन कुछ न कुछ बोलने वाले कमाल आर खान ने अब आमिर खान को अपने निशाने पर लिया है। उन्होंने आमिर खान और फातिमा सना शेख को लेकर एक ट्वीट किया है, जिस पर लोग जबरदस्त प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। गौरतलब है कि आमिर खान इन दिनों दंगल एक्ट्रेस फातिमा सना शेख संग अपने लिंकअप रूमर्स को लेकर काफी सुर्खियों में हैं।दरअसल हाल ही में आमिर खान और फातिमा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें यह दोनों स्टार्स साथ में पिकलबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस यह अंदाजा लगा रहे हैं कि आमिर और फातिमा एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि अभी तक ना तो फातिमा और ना ही आमिर ने अपने रिश्ते पर कोई चुप्पी तोड़ी है। लेकिन अब आमिर

और सना के रिश्ते पर कमाल आर खान ने ट्वीट किया है।सेल्फ क्लेम्ड क्रिटिक और एक्टर कमाल आर खान ने एक ट्वीट करते हुए बताया कि आमिर खान और फातिमा सना शेख जल्द ही शादी करने वाले हैं। उन्होंने लिखा, ब्रेकिंग न्यूज- आमिर खान अपनी बेटी की उम्र की फातिमा सना शेख के साथ बहुत जल्द शादी करने जा रहे हैं। आमिर फिल्म दंगल के टाइम से सना को डेट कर रहे हैं। कमाल आर खान के इस ट्वीट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।आमिर खान दे चुके हैं दूसरी पत्नी को तलाकबता दें कि एक्टर आमिर खान अपनी दूसरी पत्नी किरण राव से भी अलग हो चुके हैं। बीते साल किरण और आमिर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को बताया था कि वह अलग हो रहे हैं। लेकिन वह दोनों अपने बेटे आजाद की परवरिश साथ मिलकर करेंगे। अलग होने के बाद भी आमिर और किरण अक्सर साथ में स्पॉट होते हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे। टॉम हैंक्स की फॉरेस्ट गंप पर आधारित इस फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर भी मुख्य भूमिका निभाती नजर आई थीं। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई, जिसके बाद आमिर खान पूरी तरह से टूट गए थे। बाद में आमिर खान ने कुछ समय के लिए एक्टिंग से दूरी बनाने का फैसला लिया और अब एक्टर अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं।

ऑटो की सवारी से घर पहुँची सारा अली खान, कहा गाड़ी नहीं आई

सारा अली खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म जरा हटके जरा बचके के प्रमोशन में व्यस्त हैं। मुम्बई में फिल्म के प्रमोशन प्रोग्राम में शामिल होने के बाद घर लौटने के लिए सारा अली खान को ऑटो की सवारी लेनी पड़ी, क्योंकि उनकी गाड़ी नहीं आई थी। सारा अली खान का ऑटो की सवारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हालांकि ट्रोर्ल्स ने उनके इस कदम को सस्ता पब्लिसिटी स्टंट बताया है।सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जरा हटके जरा बचके को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में सारा अली खान विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। इसी बीच सारा अली खआन का एक

वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसी वीडियो में सारा अली खान ऑटो की सवारी करती हुई नजर आ रही हैं। जब पैप्स ने इसको लेकर सारा अली खान से सवाल किया, तब एक्ट्रेस ने कहा गाड़ी नहीं आई।सारा ने कहा कि वो पहले भी कई बार ऑटो का सफर कर चुकी है। इस दौरान सारा अली खान पैप्स से फिल्म को लेकर भी सवाल करती नजर आईं। सारा अली खान का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। हर तरह एक्ट्रेस का सादगी की तारीफ होने लगी। इस वीडियो पर सारा अली खान के फैंस दिल वाले इमोजी बनाते हुए नजर आए। आपको बताते चले कि सारा अली खान ऑटो से अपने घर पहुंची थीं।

अनुराग कश्यप की कैनेडी को कान में 7 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने फिल्म कैनेडी के साथ कान फिल्म फेस्टिवल में कमबैक किया। उन्होंने एक बार फिर अपनी पिछली सभी फिल्मों जैसे रमन राघव 2.0, अग्ली, बॉम्बे टॉकीज और दो पार्ट वाले गैंगस्टर ड्रामा गैंग्स ऑफ वासेपुर की तरह एक शानदार प्रतिक्रिया दर्ज की, जिसने इस समारोह में जगह बनाई। कैनेडी को द ग्रैंड लुमियर थिएटर में 7 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इसे गुरुवार (फ्रांस स्थानीय समयानुसार) 12=15 बजे मध्यरात्रि स्क्रीनिंग सेक्शन के तहत प्रदर्शित किया गया।कैनेडी एक अनिद्राग्रस्त पुलिस वाले की कहानी है। कश्यप के साथ उनके दोस्त और अक्सर सहयोगी विक्रमादित्य मोटवाने और उनके अभिनेता राहुल भट्ट और सनी लियोन के साथ शारिक पटेल, रंजन सिंह, कबीर आहूजा, भूमिका तिवारी, नीरज जोशी, आशिमा अवस्थी 2023 कान फिल्म में फिल्म निमार्ता के साथ शामिल हुए थे। त्योहार।कैनेडी एक अनिद्राग्रस्त पुलिस वाले की कहानी है। समारोह में कश्यप के साथ उनके दोस्त विक्रमादित्य मोटवाने, अभिनेता राहुल भट्ट और सनी लियोन थे। इनके अलावा, शारिक पटेल, रंजन सिंह, कबीर आहूजा, भूमिका तिवारी, नीरज जोशी और आशिमा अवस्थी कान फिल्म महोत्सव में शामिल हुए।2023 कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई फिल्म के बारे में बात करते हुए अनुराग

कश्यप ने कहा, कान में दुनिया को अपनी फिल्म दिखाना हमेशा खास होता है और जीवन भर के लिए यादगार पल होता है। कैनेडी मेरे लिए बहुत खास फिल्म है और बेहद निजी भी। हमने इस फिल्म को बनाने में अपना दिल और आत्मा लगा दी है। दर्शकों की 7 मिनट लंबी तालियों की गडग़ड़ाहट से मैं कृतज्ञता से भर गया हूं। मैं एक ही समय में बहुत आभारी और उत्साहित महसूस कर रहा हूं।अपने कान डेब्यू के बारे में बात करते हुए सनी लियोन ने कहा- मैं कैनेडी के साथ कान में अपनी शुरूआत करने के लिए रोमांचित हूं। यह अभिनेताओं का सपना होता है, और मैं इस तरह का हिस्सा बनकर बहुत गर्व महसूस कर रही हूं। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि वैश्विक दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।राहुल भट्ट ने कहा, कैनेडी हमारी मेहनत का फल है। फिल्म रोमांचक है और यह आपको बांधे रखती है। जब मैं अपनी टीम के साथ कान के रेड कार्पेट पर तल रहा था, और दुनिया को हमारी फिल्म दिखा रहा था, तब मुझे गर्व महसूस हो रहा था।

कमाई के मामले में तू झूठी से पिछड़ी किसी का भाई, सिनेमाघरों से उतरी

सलमान खान की ईद पर प्रदर्शित हुई किसी का भाई किसी की जान अब सिनेमाघरों से उतार दी गई है। ईद के मौके पर प्रदर्शित हुई इस फिल्म ने कारोबार के लिहाज से वितरकों व मनोरंजन के लिहाज से दर्शकों को खासा निराश किया। करीब 4 साल के लंबे गैप के बाद इस साल ईद पर रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान का फाइनल कलेक्शन सामने आ गया है। करीब 150 करोड़ के बजट में बनी सलमान खान की इस फिल्म में उनके ऑपोजिट पूजा हेगड़े नजर आई हैं। इनके अलावा फिल्म में वेंकटेश, जगतपति बाबू के अलावा कैमियो रोल में शहनाज गिल, पलक तिवारी, भाग्य श्री, भूमिका चावला जैसी कई सिलेब्रिटीज नजर आईं।हालांकि, फिल्म ईद पर अच्छी कमाई करने में सफल रही, लेकिन इसके बाद से डल हो गई। फिल्म को लेकर जिस कमाई की उम्मीद की जा रही थी, उसे पूरा करने में ये सफल नहीं हो पाई है। बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने जहां निजाम/आंध्रा में खासकर निजाम जिसे सलमान खान फैन्स का गढ़ माना जाता है, अच्छी कमाई की है। फिल्म ने विदेशी बॉक्स ऑफिस पर जहां करीब 52.75 करोड़ रुपये की कमाई की है। बिजनेस

के लिहाज से ईद एक बड़ा मौका माना जाता है सलमान की फिल्म के लिए और गल्फ में ये और अच्छी होती है। यहां फिल्म करीब 20 करोड़ की कमाई करने में सफल रही है, जो कि पेंडेमिक के बाद पठान को छोड़ दें तो सबसे अधिक कमाई करने वाली हिन्दी फिल्म रही है।इसने ब्रह्मास्त्र और केजीएफ 2 (हिन्दी) को पछाड़ दिया है। सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान के वर्ल्डवाइड टोटल कलेक्शन की बात करें तो ये 175 करोड़ के करीब रही है, जो कि रणबीर और श्रद्धा कपूर की तू झूठी मैं मक्कार से पीछे रह गई जिसने करीब 195 करोड़ की कमाई की।ओटीटी पर इसी शुक्रवार को रिलीज हो रही फिल्मसिनेमाघरों से निकलकर अब ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म इसी शुक्रवार को यानी 26 मई सें द्द्र5 पर स्ट्रीमिंग के लिए बिल्कुल रेडी है।

ब्लडी डैडी का ट्रेलर आउट, एक्शन अवतार में नजर आए शाहिद कपूर

शाहिद कपूर, जिन्होंने हाल ही में अपनी ओटीटी डेब्यू सीरीज़ फर्ज़ी के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया, अपनी आगामी फिल्म ब्लडी डैडी के प्रदर्शित होने का इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज को जियो सिनेमा पर सीधे ओटीटी रिलीज के लिए चुना जा रहा है। फिल्म के पोस्टर और टीज़र के बाद प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा हो गया, निर्माताओं ने 24 मई को ट्रेलर जारी किया।ट्रेलर के मुताबिक, शाहिद कपूर कोकीन के एक बैग के लिए अपराधियों के एक गिरोह से लड़ते नजर आएंगे। हालांकि, यह एक रहस्य बना हुआ है कि अभिनेता के चरित्र को किस बात का खतरा है। रोनित रॉय और संजय कपूर अन्य दुष्ट लोग हैं जो अपनी हेरोइन की खेप के लिए शाहिद के पीछे पड़े हैं।ट्रेलर को शाहिद ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी शेयर किया। उन्होंने क्लिप को एक कैप्शन के साथ साझा किया, एक नरक की एक खूनी रात ... ट्रेलर अब बाहर! सक्चद्यशशस्न4ष्ठड्डस्नस्न4। पोस्ट में सभी को चौंकाते हुए उन्होंने यह भी खुलासा किया कि फिल्म स्ट्रीम करने के लिए स्वतंत्र होगी। पोस्ट में जोड़ा गया, शाहिद कपूर, जो अपने ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, अपने आगामी ब्लडी डैडी के साथ

प्रशंसकों को उनके सोफे से चिपकाए रखने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर जियो सिनेमा पर होगा। निर्माताओं ने टीज़र जारी करने के बाद, ट्रेलर के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया। एक्शन से भरपूर मनोरंजक ट्रेलर पावरपैक सीक्वेंस से भरा है जहां जब वी मेट अभिनेता अपना उग्र रूप दिखाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अपने अनुकूल लुक से शुरू करते हुए जब वह खलनायक के रूप में अपने स्वैग में चलते हैं, तो दर्शक उन्हें इस रूप में देखकर प्रशंसित होते हैं। शाहिद के अलावा, इस सीरीज में रोनित रॉय और संजय कपूर खलनायक के रूप में नजर आएंगे, जो अपने ड्रग पार्सल के लिए शाहिद के पीछे पड़े हैं।सुल्तान और टाइगर ज़िंदा है जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध अली अब्बास जफर शाहिद कपूर के साथ पहली बार काम कर रहे हैं, उन्होंने शाहिद को एक अलग अंदाज में परदे पर पेश किया। जब एक्शन की बात आती है तो प्रशंसकों के बीच जबरदस्त प्रत्याशा को बढ़ावा देते हुए, ट्रेलर शीर्ष पायदान पर है। शाहिद का अभिनय इसमें और इजाफा करता है।जफ़र की ; फिल्म्स, ऑफ़साइड एंटरटेनमेंट और द वर्मिलियन वर्ल्ड के सहयोग से छ्व्रद्बश स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, फिल्म को स्टाइलिश रिलेंटलेस एक्शन से भरपूर राइड के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह सीरीज 9 जून को डायरेक्ट-टू-डिजिटल रिलीज़ के लिए तैयार है।ब्लडी डैडी की शूटिंग के दौरान शाहिद कपूर ने खूब एन्जॉय किया। यह बहुत मजेदार था।

कान्स में सनी लियोनी ने बिखेरा हुस्न का जलवा

थाई-हाई स्लिट ड्रेस में ढाया कहर

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में बॉलीवुड स्टार्स का जलवा देखने को मिल रहा है। उर्वशी रौतेला, सारा अली खान से लेकर मृणाल ठाकुर तक कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में अपने लुक का जलवा दिखा चुकी हैं। इन सब के बाद अब सनी लियोनी का कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 से लुक सामने आया है। सनी लियोनी अपनी फिल्म कैनेडी के प्रमोशन के लिए कान्स 2023 में पहुंची है। सनी लियोनी के डेब्यू लुक के बाद उनका नया लुक खूब वायरल हो रहा है, जिसे उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

कड़ी सुरक्षा के बावजूद सलमान तक पहुँचा उनका नन्हा फैन

सलमान खान को पिछले कुछ समय से लगातार धमकियाँ मिल रही हैं, जिसके चलते उनकी सिक्योरिटी और बढ़ा दी गई है। इसके बावजूद गुरुवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर एक बच्चा उनकी हाई सिक्योरिटी के बावजूद उन तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि आईफा 2023 के लिए सलमान खान अबूधाबी जा रहे थे, तभी उन्होंने देखा के एक बच्चा दौड़ता हुआ उनके पास रहा है, ऐसे में वे रुक गए। बच्चे ने सलमान खान को अपने दोनों हाथों से गले लगाया। सलमान खान ने भी उसे मुस्कुराते हुए गले लगाया। सोश्ल मीडिया पर विरल बियानी का यह वीडियो वायरल हो गयाहै।वीडियो में मुंबई एयरपोर्ट पर एक बच्चा भागता हुआ सलमान से मिलने के लिए उनकी तरफ आ रहा है। जैसे ही एक्टर ने उसे नोटिस किया तो वे रुक गए और अपनी टीम को भी रोक लिया ताकि वह बच्चा उन तक पहुंच सके। उन्होंने उस बच्चे से पहले हाथ मिलाया और फिर उसे बड़े ही प्यार से गले लगाया। इस इंसीडेंट के अलावा सलमान के नए लुक ने भी फैंस को आकर्षित

किया। सलमान यहां ब्लैक जींस और टी-शर्ट के साथ लैदर जैकेट में नजर आए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस सलमान की जिंदादिली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,ये हुई न भाई वाली बात। वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, क्या कमाल के आदमी हो आप। इसके अलावा कई फैंस कमेंट सेक्शन में सलमान के लुक की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं।इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस सलमान की जिंदादिली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,ये हुई न भाई वाली बात। वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, क्या कमाल के आदमी हो आप। इसके अलावा कई फैंस कमेंट सेक्शन में सलमान के लुक की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। गौरतलब है कि सलमान खान की इस वर्ष ईद पर किसी का भाई किसी की जान प्रदर्शित हुई थी, लेकिन उसे वह सफलता नहीं मिली जो सलमान खान की फिल्म को मिलती है। उनकी अगली फिल्म टाइगर 3 है जिसमें वे इमरान हाशमी और कटरीना कैफ के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल 10 नवंबर को रिलीज होगी। इसमें शाहरुख खान भी कैमियो रोल में होंगे।

शाहिद के हाथ लगी एक और एक्शन फिल्म, रोमांस से हो रहे दूर

शाहिद कपूर की फिल्म ब्लडी डैडी का बीते दिन ट्रेलर रिलीज किया गया था। फिल्म ब्लडी डैडी के ट्रेलर में शाहिद कपूर काफी एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं, जिसे खूब पसंद किया जा रहाहै। वह अपनी इस फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। शाहिद कपूर ने अब एक और एक्शन फिल्म के लिए दक्षिण के नामचीन निर्देशक रोशन एंड्रयूज से हाथ मिलाया, जो मलयालम भाषा के जाने माने व्यक्ति हैं। इस फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर और जी स्टूडियो मिलकर करेंगे। हालांकि अभी फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने ट्विटर हैंडल पर जानकारी दी है कि शाहिद कपूर ने एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म साइन की है। शाहिद कपूर की इस फिल्म को रोशन एंड्रयूज डायरेक्टकरेंगे। वहीं, यह पहला मौका है जब सिद्धार्थ रॉय कपूर और जी स्टूडियो किसी प्रोजेक्ट के लिए साथ आए हों। हालांकि, शाहिद कपूर की इस फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। इस फिल्म की शूटिंग साल 2023 के सेकेंड

हॉफ में शुरू होगी। शाहिद कपूर की इस फिल्म का कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक हाई-प्रोफाइल केस की जांच कर रहा है। जहाँ तक शाहिद कपूर के काम की बात है तो उनकी ब्लडी डैडी 9 जून को प्रदर्शित होने जा रही है। यह सीधे ओटीटी प्लेटफार्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। इस फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद दर्शकों का कहना है कि अब शाहिद कपूर के पास एक्शन पैक्ड सीरीज और फिल्मों की लाइन लगना शुरू हो जाएगी। इसके बाद इस वर्ष शाहिद कपूर की अक्टूबर बार में एक फिल्म प्रदर्शित होगी जिसमें में एक बार फिर से कियारा आडवाणी के साथ दिखाई देंगे। इससे पहले यह जोड़ी कबीर सिंह नजर आई थी। इस फिल्म का एक पोस्टर रिलीज हो चुका है। ये फिल्म अक्टूबर, 2023 में रिलीज होगी। शाहिद कपूर पिछली बार वेब सीरीज फर्जी में नजर आए थे। फरवरी, 2023 में आई इस वेब सीरीज को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। वेब सीरीज फर्जी से शाहिद कपूर ने डिजिटल डेब्यू किया था।

उर्जा मंत्री जी नगर निगम को छोड़िये आप तो अपने विभाग की सुध ही ले लो

ग्वालियर। उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी सुनिये नगर निगम की व्यवस्थायें तो ठीक हैं, आप तो अपने विभाग की ही सुध ले लो तो बहुत हैं। आपका विभाग बिजली व्यवस्थाओं में बुरी तरह फेल है वह भी आपके विधानसभा क्षेत्र में तो सर्वाधिक फिसडडी है। आप तो अपने क्षेत्र में बिजली की समस्या ओव्हर बिलिंग दूर कर दें यहीं बहुत होगा। हम लोग मान लेंगे कि हां ग्वालियर में विकास की धारा बह निकली है। आपको याद दिला दें कि आपके विधानसभा क्षेत्र का वार्ड 31 मध्यप्रदेश का बिजली कटौती की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान हैं। यहां कांती नगर, गायत्री नगर, गांधी नगर, कुशल नगर सहित अन्य क्षेत्र हैं। जहां सुबह 6 बजे से सायं तक लाइट कई-कई घंटों गायब रहती है। दिन का एवरेज निकाले तो यहां पूरे दिन 4 से 5 घंटे लाइट की कटौती हैं। उपर से ट्रिपिंग की अलग मार हैं। दूसरी बड़ी समस्या यह है कि कटौती के बाद भी लोगों के बिल कम नहीं हो रहे हैं। अनाप शनाप बिलों से लोग बेहद परेशान है। अब तो आम वाशिंदे भी कहने लगे है कि मंत्री जी आप अन्य समस्यायें छोड़ो, आप तो बिजली समस्या से ही मुक्ति दिला दो हम मान लेंगे कि आप विकास के पुरोधा हैं।

नारी शक्ति प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

ग्वालियर। सखवार समाज धर्मशाला कमल विहार हरिखे?ा मुरार में नारी शक्ति प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसका आयोजन महिला मण्डल हरिखेड़ा द्वारा किया गया। इसमें समाज की प्रथम ग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट, प्रथम शासकीय कर्मचारी, प्रथम शिक्षिका, प्रथम डॉक्टर एवं प्रथम वरिष्ठ एवं ख्याति प्राप्त करने वाली प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संत श्यामदास बाई थीं। अध्यक्षता श्रीमती मृदुला देवी ने की।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. सुनीता गुर्जवार ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में संघर्ष किया तथा अपने परिवार का भी पूरा ध्यान रखा। तब इस मुकाम तक पहुँची हैं। श्रीमती बाली सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी पड़ाई शादी के बाद भी जारी रखी। पड़ाई पूर्ण कर आज वे कृषि के क्षेत्र में लगभग 300 महिलाओं को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देकर समाज की महिलाओं को रोजगार मुहैया करा रही हैं। साथ ही एफपीओ का भी सफल संचालन कर रही हैं। श्रीमती लक्ष्मी कन्नौजी शिक्षिका ने बताया कि वे अपने जीवन में संघर्ष कर शिक्षिका के पद पर पदस्थ हुई तथा अपनी तीनों बच्चियों को शिक्षा दिलाई एवं परिवार का सफल संचालन कर रही हैं। डॉ. सुनीता डण्डौतिया सहायक प्राध्यापक ने बताया कि वे काफी संघर्ष के बाद शिक्षित होकर सहायक प्राध्यापक बनीं एवं अपने बच्चे का आईआईटी कानपुर में चयन कराया। उन्होंने बताया कि वे अपने परिवार का भी सफल संचालन कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राखी दादौरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला मण्डल हरिखेड़ा द्वारा किया गया। इसमें श्रीमती राजकुमारी, सोमवती, मिथलेश, मीरा बाई, शकुन्तला बाई, केतकी बाई, ऊषा बाई, पार्वती, ऊषा दादौरिया, कुसुम, रामवती, कमलेश, सीमा, गुड्डी बाई, शकुन्तला, अंजना, गिरजा सैनी, रामरती किरार, मंजू देवी तथा रामबेटी शामिल हैं।

कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन का पत्रकारों एवं समाज सेवियों का सम्मान समारोह संपन्न

ग्वालियर। महानगर की चिर परिचित समाजसेवी संस्था कावेरी वेलफेयर फाउण्डेशन ने दिनांक 29.05.23 को पत्रकारिता सम्मान समारोह 2023 एवं सामाजिक सेवा संकल्प सम्मान समारोह का आयोजन होटल शगुन में किया गया। इस आयोजन में नगर के 50 से अधिक सम्मानिय पत्रकार गण एवं 40 से अधिक समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन को गरिमा प्रदान करने हेतु संत श्री कर्पिलसिंह महाराज जी, विधायक सतीश सिकरवार , पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल ,विवेक शर्मा बीजेपी प्रकोष्ट आदि मंचासीन थे । कार्यक्रम के आयोजन में नवयुग हास्पिटल, पल्स इवेंट एंड मीडिया इंस्टिट्यूट, विघ्न फाउंडेशन, कृष्णा इंटरप्राइजेज एवं शादी पिक्स ने प्रायोजक के रूप में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर नृत्य कलाकेंद्र एंड फिटनेस स्टुडियो की बालिकाओं द्वारा नृत्य की प्रस्तुति की गई । कार्यक्रम के संचालन की भूमिका शिवानी भार्गव ने निभाई। इस दौरान संस्था अध्यक्ष श्रीमती हेमलता राव, कोषाध्यक्ष कंचन राव, कार्यक्रम संयोजक ऋषि जैन, विजय राव, श्रीमती मोनिका जैन, श्रीमती रूपल शर्मा, जया जैन, हैरी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

क्राइम ब्रांच की सायबर क्राइम विंग द्वारा फरियादी के क्रेडिट कार्ड के जरिए निकाले गये 59,000/- रूपये वापस करवाये

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे को आवेदक गौरव सोनी ने एक शिकायती आवेदन पत्र दिया था कि मेरे द्वारा बजाज फायनेन्स का एक क्रेडिट कार्ड बनवाया गया था जिसका मैने उपयोग नही किया था उक्त क्रेडिट कार्ड को बंद कराने हेतु मेरे पास अंजान नम्बर से कॉल आया व स्वंय को बजाज फायनेंस कम्पनी का होना बताया और बताया कि हम आपका क्रेडिट कार्ड बंद कर देगे मै आपको एक ओटीपी भेज रहा हूँ वह आप बता दीजिये आपका क्रेडिट कार्ड बंद हो जायेगा मेरे द्वारा अपने रजिस्टर्ड मोबाइल पर आये ओटीपी को उस व्यक्ति को बताने पर मेरे क्रेडिट कार्ड से 59,000/- रुपये का फ्रॉड हो गया । शिकायत को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सायबर क्राइम करने वाले अपराधियों पर कार्यवाही करने हेतु डीएसपी अपराध श्री षिया? के.एम,भापुसे को क्राइम ब्रांच ग्वालियर की सायबर क्राइम विंग से उक्त शिकायत पर कार्यवाही करवाने हेतु निर्देशित किया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशो के परिपालन में डीएसपी अपराध द्वितीय श्री संदीप मालवीय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरीक्षक अमर सिंह सिकरवार द्वारा सायबर क्राइम विंग की टीम को उक्त शिकायत की जाँच हेतु आदेशित किया। उक्त जाँच के क्रम में क्रेडिट कार्ड नोडल ऑफिसर एवं ट्राजेक्शन सबंधी स्टेटमेन्ट को अवलोकन कर बैक व वॉलेट कम्पनी से सम्पर्क कर फरियादी के क्रेडिट कार्ड से कटे हुए 59,000/- रुपये फरियादी के क्रेडिट कार्ड में वापस कराए। फरियादी ने थाना उपस्थित होकर पैसे रिफण्ड कराने वाली टीम का आभार व्यक्ति किया। आमजन के लिए सूचना - किसी भी अंजान व्यक्ति को अपनी बैंक खाता संबंधी गोपनीय जानकारी शेयर न करें । कभी भी अपने क्रेडिट कार्ड/एटीएम कार्ड एवं अन्य बैंक खाता संबंधी पिन/पॉसवर्ड लिख कर न रखें। इस तरह की घटना होने पर तत्काल अपने नजदीकी पुलिस थाना अथवा सायबर क्राइम थाने में रिपोर्ट करें।

सरहानीय भूमिका - सायबर क्राइम प्रभारी निरी0 नरेश गिल, वर्षा सिंह, उनि0 धर्मेन्द्र शर्मा, हरेन्द्र सिंह, प्रआर0 विकाश तोमर, सतेंद्र कुशवाह, आर. सुमित सिंह भदौरिया, श्यामू मिश्रा, शिवशंकर शर्मा, ओमशंकर सोनी, गौरव पवार, सुनील शर्मा, नवीन पाराशर, मआर0 सुनीता कुशवाहा, भानुप्रिया की सराहनीय भूमिका रही।

भाजयुमो के नए मंडल अध्यक्ष बने हेमराज माँझी, पार्टी के नेताओं ने दीं बधाई

गोहरापदर। भारतीय जनता युवा मोर्चा ज़िला गरियाबंद की कार्यकारिणी घोषणा बीते दिनों संपन्न हुई.जिसमें गोहरापदर के मंडल अध्यक्ष रूप में पीपलखूँटा के युवा नेता हेमराज माँझी को ज़िम्मेदारी दी गई है।हेमराज के मंडल अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न माध्यमों से शुभकामनाएँ ज्ञापित की साथ ही भाजपा नेताओं ने गुलदस्ता भेंट करते हुए बधाई दी एवं पार्टी का गमछे से सम्मानित किया गया।नवनियुक्त भाजयुमो मंडल अध्यक्ष हेमराज माँझी ने कहा की वह पार्टी की मज़बूती के लिए काम करेंगे और सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर युवा मोर्चा को सशक्त बनाएँगे। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक डमरुधर पुजारी,पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह माँझी,किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति बोधनराम नायक, अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हलमन सिंह ध्रुवा, रामरतन मांझी,ज़िला महामंत्री पुनीतराम सिन्हा,जनपद अध्यक्ष नुरमति मांझी,मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी, सांसद प्रतिनिधि खगेश्वर नायक,महामंत्री तानसिंह माँझी, मोहित यादव, सोभित ध्रुवा, निर्भय सिंह ठाकुर, संजय दुबे,मनीष सिन्हा,भोजराज सिन्हा, जय अवस्थी, बेनुराम नागेश, लम्बोदर साहू, दीपचंद कश्यप, मोहना नेताम, श्रुति ध्रुवा, विनिता यादव, पर मिला साहू, कीर्तनराम यादव, रुपसिंह मरकाम, ओमप्रकाश नागेश, दीपक सागर, गुनसागर यादव,देवीराम नेताम ने शुभकामनाएँ दीं।

योगमाया मंदिर उज्जैन में अग्रराम चौधरी का किया स्वागत

पुष्पाजंली टुडे

मध्यप्रदेश। उज्जैन में स्थित योगमाया मंदिर में राजस्थान पाली जिले से अग्रराम चौधरी ने आईमाताजी के दर्शन किये। इस अवसर पर योगमाया मंदिर संस्था के मैनेजर रवि देवड़ा पंडितजी शंकरलाल काग रमेश चौधरी योगमाया नवयुवक मित्र मंडल के सदस्य चिंटू काग, सुमित काग, अरुण वर्फा, कमल राठौर, महेंद्र मुलेवा, कृष्णा लछेटा ने अग्रराम चौधरी का शॉल व माला द्वारा सम्मान किया गया ।

भाजपा सरकार द्वारा महापुरुषों के इतिहास को खत्म किया जा रहा है: प्रोफेसर चंद्रशेखर यादव

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

भोपाल-आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के मानस भवन पॉलिटेक्निक चौराहा भोपाल मे ओबीसी महासभा के तत्वाधान में पिछड़े वर्ग की जातियों की विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर यादव जी थे तथा कार्यक्रम में ओबीसी के हक अधिकार एवं हिस्सेदारी को लेकर महापंचायत में तय किया गया कि ह्न.ह्या.ह्य. भाजपा सरकार द्वारा महापुरुषों के इतिहास को खत्म किया जा रहा है उसको देखते हुए पिछड़े वर्ग जातिगत जनगणना एवं हिस्सेदारी खत्म की जा रही है आज महापंचायत में तय किया गया कि भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम किया जाएगा जिसमें तमाम पिछड़ी जाति के प्रदेश के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष द्वारा घोषणा की गई कि हम ओबीसी महासभा का आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर एक जमात का कार्य करेंगे तथा 2023, 2024 में अपनी हिस्सेदारी लेने का ऐलान किया गया।

तीस बरस से रेलवे स्टेशन पर निः शुल्क शीतल जल सेवा

ग्वालियर। विगत शनिवार 27 मई को ग्वालियर रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म पर जश्न के माहौल में फूल मालाओं से लदी दो नई पानी की टंकी वाली जल गाड़ियां पंजाबी परिषद को जल सेवा के लिए भेंट की गई । ज्ञातव्य हो कि पंजाबी परिषद गर्मी के दिनों में रेलवे स्टेशन पर मुसाफिरों को सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक निःशुल्क शीतल जल सुलभ करा रही है । जन सहयोग से चलने वाली इस सेवा में उस दिन एक जल गाड़ी श्रीमती कुसुम पोतनीस ने और दूसरी जल गाड़ी श्री केशव मजूमदार ने भेंट की थी । कुछ अरसा पूर्व हरियाणा अंबाला के विजय जोहर ने भी अपने माता पिता की स्मृति में एक जल गाड़ी और चंडीगढ़ से भी एक व्यक्ति ने जल सेवा के लिए सहयोग राशि पंजाबी परिषद ग्वालियर को भेजी । पंजाबी परिषद के अध्यक्ष अशोक मारवाह ने जानकारी देते हुए बताया कि हजारा, मुल्तान, झंग, सुजाबाद, पेशावर सहित विभाजन उपरांत पश्चिमी पंजाब से आए सभी बिरादरी वाले पंजाबी परिषद में शामिल हैं। जहां तक जल सेवा का प्रश्न है उसमें तो ग्वालियर नगर की प्रायः-प्रायः सभी जाति के लोग बड़े बूढ़े बच्चे और महिलाएं बतौर जल सेवक निःशुल्क सेवादारी कर रहे हैं । उस समय वहां श्रीमती मारवाह भी जल सेवकों के साथ जल पात्रों की सफाई में जुटी थीं । रेलवे स्टेशन पर निःशुल्क जल सेवा शुरू करने की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मारवाह ने बताया कि 17 अप्रैल 1994 को 5 पंजाबी राम लुभाया, बीके आनंद, जगदीश चावला, प्रमोद चावला और अशोक मारवाह यानी कि मैं ग्वालियर से रेल द्वारा नागपुर की यात्रा पर थे । पूरे रास्ते में कहीं भी पीने का पानी नसीब नहीं हुआ। वहां से लौटकर हम लोगों ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर शीतल जल उपलब्ध कराने का फैसला किया। 24 अप्रैल 1994 को 4 मटकों के साथ हमनें शीतल जल सेवा प्रारंभ कर दी । उन्होंने जल सेवा के उन प्रणेताओं का भी स्मरण किया जो दुनिया छोड़कर जा चुके हैं। तीस वर्ष पूर्व चार मटकों से प्रारंभ हुई जल सेवा में आज चार पेड वर्कर, 60 जल गाड़ियां और सवा सौ जल सेवक हैं, जो चारों प्लेटफार्म पर मुसाफिरों को शीतल जल पहुंचा रहे हैं । जल सेवकों में कई 70-80 की आयु पार वाले स्त्री- पुरुष, सेवानिवृत्त बैंक कर्मी, सफल व्यवसाई, युवा छात्र छात्राएं और एक भूजल वैज्ञानिक भी शामिल हैं। स्थानीय गुरुद्वारा भी इस कार्य में जल सेवकों को दोपहर का लंगर उपलब्ध करा कर अभूतपूर्व सहयोग कर रहा है ।

मंहगाई और बेरोजगारी से जनता परेशान,सरकार मोनः डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के गोला का मंदिर ब्लॉक में आज शाम 5 बजे वार्ड 19 के सूखा की कोठी पिन्टू पार्क पर कांग्रेस के जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी, मण्डल पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी, कांग्रेस पार्षद एवं सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्रित हुये, यहां से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा बृहद स्तर पर शुरू हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के झंडे हाथों में लेकर चल रहे थे। यात्रा सूखा की कोठी पिन्टू पार्क से प्रारम्भ होकर न्यू राम विहार कॉलोनी की समस्त गलियों में घर-घर पहुंची और जनता से सीधे संपर्क किया। इस दौरान विधायक डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर जगह-जगह जोरदार स्वागत किया । यात्रा के दौरान विधायक डॉ. सिकरवार ने जनता से चर्चा करते हुये कहा कि आम आदमी मंहगाई और बेरोजगारी से परेशान है और सरकार मोन है। भाजपा नेता मजे कर रहे हैं। भाजपा सरकार मंहगाई और बेरोजगारी की बात क्यों नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को जनता की कोई चिंता नही है, लेकिन कांग्रेस का इतिहास ही जनता की भलाई करना एवं सोचना है। उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश भाजपा सरकार ने कर्ज में डूबो दिया है, विकास कार्य ठप पडे हैं। भाजपा देश तोड़ने की साजिश कर रही है, कांग्रेस भारत जोड़ रही है, भारत सर्वधर्म, सद्भाव, भाईचारा के लिए सारे विश्व में एक मिसाल कायम कर रहा है। लेकिन भाजपा नफरत और भय की राजनीति करके देश का अमन-शांती भंग कर रही है। 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा में दौरान विधायक डॉ. सिकरवार के साथ वरिश्ठ नेता बलवीर सिंह तोमर, ब्लॉक अध्यक्ष हितेन्द्र यादव, रामबाबू श्रीवास, पार्षद प्रमोद खरे, कल्याण यादव, राजेष तोमर, गौरव भदौरिया, गौरव तिवारी, राजा भदौरिया, दौलत खान, राजेष षर्मा, राजवीर भदौरिया, पुनीत बैस, राजवीर यादव, देवेन्द्र भदौरिया, वीरेन्द्र भदौरिया, छोटू तोमर, श्रीमती संजना राजावत, रेनू चैहान, प्रीती पाठक आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478